



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 3, 1979 (माघ 14, 1900)
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 3, 1979 (MAGHA 14, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थायी अनुमन्धान सहायक (हिन्दी) श्रीमती मृधा भार्गव तथा श्री चन्द्र किरण को कनिष्ठ अनुमन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-1-1979 से 28-2-1979 तक की अवधि के अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पृ० बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० ओ० दो० 1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्सनाभाई नायक को 27-11-1978 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो,

उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1103/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर बी० कृष्ण प्रसाद को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 7 दिसम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० ओ० दो०-1092/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर ईश्वर दयाल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 25 दिसम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1101/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर गणेश कुमार देवरी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 11 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० ओ० दो०-1097/स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर हरीदास मुन्जाजी पाटिल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने

तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 6 अक्टूबर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्दोपाध्याय
महायक निदेशक (प्रशासन)

कार्य एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० ए-19036/36/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सम्मुख दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री

1. एस० पी० सिंह . . . 15-12-78 (पूर्वाह्न)
2. ज० एस० बराहच . . . 15-12-78 (पूर्वाह्न)
3. एच० सी० सिंह . . . 23-12-78 (पूर्वाह्न)

जरनैल सिंह

प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० पी०-4/73-प्रशासन-5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुनर्नियुक्ति की छह महीने की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री पी० बी० हिगोरानी ने दिनांक 31-12-78 के अपराह्न में अपर-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० के० पुरी
उप निदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० ई-38013(2)/1/78-कामिक—मद्रास में स्थानांतरित होने पर, श्री एल० एम० देवामहायम ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० आर० सेक्टर, श्रीहारी कोटा रेंज के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/1/78-कामिक—मद्रास से स्थानांतरित होने पर, मेजर आर० सी० रमैया, ने दिनांक 22 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० आर० सेक्टर, श्रीहारीकोटा रेंज, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० प्रशासन-1/का० आ० 469/5-5/पदोन्नति/78-79/2104—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, एतद्वारा 1 जनवरी, 1979 से अगले आदेश तक लेखा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या नाम

1. श्री आर० वी० एल अग्रवाल

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

सं० —महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के मामले दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- | | | |
|---------------------------|----------|-------------|
| 1. श्री टी० ए० सुब्रमण्यम | 23-11-78 | (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री पी० आई० चौकसी | " | " |
| 3. श्री एन० जे० मेहता | " | " |
| 4. श्री एम० रामचन्द्रन | " | " |
| 5. श्री पी० जी० राजामणी | " | " |
| 6. श्री आर० जी० नायर | " | " |
| 7. श्री एच० एस० दनाक | 27-11-78 | " |
| 8. श्री वी० एन० त्रिवेदी | 23-11-78 | " |
| 9. श्री वी० एम० शाह | " | " |

के० पी० लक्ष्मण राव
उप महालेखाकार (प्रशासन)
महालेखाकार कार्यालय, गुजरात,
अहमदाबाद

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय,

बम्बई 400020, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० —महालेखाकार महाराष्ट्र-1

अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1.	श्री आर० जी० बेट्टीगिरी	21-10-78
2.	श्री जी० बी० सरदेसायी	28-10-78
3.	श्री पी० टी० डोले	1-11-78
		"

क्रमांक	नाम	दिनांक
4. श्री एम० एम० कुलकर्णी		1-12-78 पूर्वाह्न
5. श्री डी० आर० जिरगले		1-12-78 पूर्वाह्न

हस्ताक्षर अस्पष्ट
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय

महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर० रंगनाथन-1 को महा-लेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 1-1-79 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 44016 (1)/73-प्रश०-11—राष्ट्रपति, अन्तरिम उपाय के रूप में, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 2000-125/2-2250) के प्रवर्णन ग्रेड में, स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर उनके नाम के सामने लिखी हुई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं	नाम	पदोन्नति का तारीख
सर्वश्री		
1. आर० एन० त्यागी		20-12-78 (पूर्वाह्न)
2. के० सम्पथ कुमार		20-12-78 (पूर्वाह्न)
3. बी० स्वामीनाथन		20-12-78 (पूर्वाह्न)

आर० एल० बखशी
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० 1/79/जी—राष्ट्रपतिजी, श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, दिनांक 6-9-1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

वस्तु आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० ई० एस० टी० 1-2 (432)—वस्तु आयुक्त कार्यालय बम्बई के अपर वस्तु आयुक्त डा० कस्तूरी अयंगर नरसिम्हन सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 दिसम्बर 1978 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गए।

एम० सी० सुवर्णा
वस्तु आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० प्र०-1/1 (1068)—अवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर सर्वश्री देवराज और एम० एम० मांगों ने 30-12-78 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रुप II) का पद भार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० प्र०-6/247(298)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री जी० एम० रबीजा निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-78 (अपराह्न) से अपनी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-6/247/(345)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थायी निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री एम० एस० नायक निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-78 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० ए-17011/115/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान के निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री बी० के० आर्य को दिनांक 2-12-78 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-17011/46/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री आर० के० दामगुप्ता को दिनांक 12-12-1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-17011/147/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान के निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री पी० एन० फागडे को दिनांक 30-11-78 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ई-12 (89)/75 (.)—वार्डक्य की आयु प्राप्त कर श्री बी० बी० विश्वास सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 30 नवम्बर, 1978 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ऐडमिन० पी० एफ० (421) (.)—वार्डक्य की आयु प्राप्त कर श्री जे० एम० सान्याल, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

एस० के० वसु,
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० गो०-5455/718-ए— श्री० के० वी कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (वरिष्ठ ग्रेड) सर्वेक्षण प्रशिक्षण एवं मानचित्र उत्पादन केन्द्र, हैदराबाद को सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० के० से० ग्रुप बी० पद पर श्री वा० खुमा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, (तदर्थ आधार) जो दिनांक 12-12-78 से 39 दिन के अर्जित अवकाश पर चले गए हैं के

स्थान पर 840 रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 12-12-78 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोमला
भेजक-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० 10/2/78-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री दीपक कुमार दत्ता को दिनांक 1-11-78 से अगले आदेशों तक उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, चिन्सुरा में अस्थायी आधार पर सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/9/78-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री अरविन्द नारायण दीक्षित को दिनांक 13-10-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक आकाशवाणी, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० 7 (181)/58-एस-1—श्री यू० कृष्णमूर्ति, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त हो जाने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1978 अपराह्न की सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

ए० के० बोस
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1978

सं० ए-38013/1/79-स्थापना—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर इस निदेशालय के श्री के० एल० चन्दोक, सुपर-वाइजर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से मरकाती सेवा से रिटायर हो गए हैं।

आर० देवासर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/78 (एच० क्यू०)/प्रशासन-1—राष्ट्र-पति ने होम्योपैथिक फार्माकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद में रसायनज्ञ के पद पर काम कर रहे श्री बी० के० सक्सेना को 20 दिसम्बर 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशक (अण्डार) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 32014/4/78 (एम० जे०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासन अधिकारी श्री जमवन्त राम को 26 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में स्टोर अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। स्टोर अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री जमवन्त राम ने उसी दिन सफदरजंग अस्पताल से सहायक प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० ए० 31014/5/78-प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, श्री बी० ए० सरनोबत को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में मुख्य रसायनज्ञ के स्थाई पद पर मूलरूप में दिनांक 16-5-1976 से नियुक्त करते हैं।

श्री सरनोबत का विपणन अधिकारी (वर्ग III) पर ग्रहणाधिकार मुख्य रसायनज्ञ के पद पर स्थाई होने की तारीख से समाप्त हो जाएगा।

जे० एस० उप्पल
कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए० 19024/5/78-प्र० III—मुख्य रसायनज्ञ के पद पर श्री चन्द्र प्रकाश की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक, 31-3-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० ए० 19025/65/78-प्र० III—सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों को

अल्पकालीन नियुक्ति को 31-3-1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध होने है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है :—

सर्वश्री

1. राम गब्बर सिंह
2. बी० एन० के० मिन्हा
3. ए० एन० राव
4. रामवीर सिंह यादव
5. एम० पी० सिंह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एम० पी० शिन्दे
9. रमेश चन्द्र मुंशी
10. के० के० निवारी
11. एम० के० मलिक
12. एम० डी० काथलकर
13. आर० के० पांडे
14. एम० जे० मोहन राव
15. कृष्ण कुमार सिंह मिरोही
16. श्रीमती अनुसूया शिवराजन
17. पी० ई० एड्विन
18. एम० पी० सक्सेना
19. नन्द गोपाल शुक्ल
20. रमेश चन्द्र मिघल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० वाघ
23. एस० सूर्यनारायणा मूर्ति
24. बी० एल० बेराधर
25. शनिग्राम शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एस० चेलायति राव
28. के० जयनन्दन

सं० ए० 19025/75/78-प्र० III—मंघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० टी० राजा जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 25-11-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/111/78-प्र० III—श्री शाहिद अहमद शमसी, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 29-12-78 (अपराह्न) से 31-3-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) पदोन्नत किया गया है।

बी० एल० मनहार
निदेशक, प्रशासन

कुले कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (285)/76-प्रशासन/16560—
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० तांबे को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 30 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न तक इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री सी० आर० वालिया, लेखा अधिकारी-II जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर की गई है।

दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (333)/78-प्रशासन/17170—
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भूत-पूर्व सैनिक श्री सी० कृष्णन को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एम० बी०' (परिवहन अधिकारी) नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थाटे
प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

आदेश

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०-5/20/2081—जब कि, श्री ओमर अन्सारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में फायरमैन के रूप में कार्य करते हुए ड्यूटी से 20-5-1978 से गैरकानूनी ढंग से गैर-हाजिर हैं,

और जब कि, ना ई स जापन सं० ना ई स/प्रशा-2/ओ-4/एफ० एस०/2051 दिनांक 13-9-1978 जिसमें उक्त श्री ओमर अन्सारी को ड्यूटी पर लौटने का निदेश दिया गया था और जो उक्त श्री अन्सारी के डी० ए० ई० हाउसिंग कालोनी, हैदराबाद, के उनके अन्तिम ज्ञात पते (क्वाटर सं० सी०-2/3) पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था, वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "वितरण स्थान से निरन्तर गैरहाजिर" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि, ना ई स जापन सं० ना ई स/प्रशा-2/ओ-4/2786 दिनांक 4-11-1978 जिसमें उक्त श्री अन्सारी को ड्यूटी पर तुरन्त लौटने का निदेश दिया गया था जो उनके स्थायी पते मकान सं० 23-5-89, सैयद अली चबूतरा, ग्राह अली बंदा, हैदराबाद, पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था वो भी डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि, उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित दिनांक 4-11-78 का जापन जो उक्त श्री अन्सारी के उनके डी० ए० ई० हाउसिंग कालोनी के अन्तिम ज्ञात पते पर 24-11-78 को पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था वो भी डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "आमासी निरन्तर गैरहाजिर इसीलिए भेजने वाले को लौटाया जाता है" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि, उक्त श्री अन्सारी ड्यूटी से निरन्तर गैरहाजिर रहे तथा ना ई स को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे, और जब कि, उक्त श्री अन्सारी बिना आज्ञा के ड्यूटी से गैर हाजिर रहने तथा अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि, अपने बारे में ना ई स को बिना कुछ बताए सेवा का त्याग करने के कारण, निम्नहस्ताक्षर कर्ता इससे संतुष्ट है कि ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

जब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (II) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री ओमर अन्सारी को सेवा से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करते हैं।

दिनांक 6 जनवरी 1979

आदेश

सं० ना ई स/प्रशा-5/20/—जब कि यह आरोपित है कि श्री डी० कृष्णा, मददगार 'बी', एम० ई० एस०, के रूप में सेवारत रहते हुए बिना किसी अनुमति के ड्यूटी से आवेष्टित गैर-हाजिर रह कर काम को क्षति पहुंचा रहे हैं। उक्त श्री कृष्णा, आदेश सं० ना ई स/प्रशा०-5/20/के-95/2090 दिनांक 28-9-1977 द्वारा उन पर आरोपित 4 दिन के बिना वेतन के निलंबन के जुर्माने के बावजूद अक्तूबर व नवम्बर 1977 में दो बार गैर हाजिर रहे हैं। उक्त श्री कृष्णा 10-11-1977 से बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के ड्यूटी से निरन्तर गैरहाजिर हैं।

और जब कि, निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा 18-12-1977 को उक्त श्री कृष्णा को एक जापन जारी कर यह सूचित किया गया कि यदि वे आरोपों को अस्वीकार करते हैं तो, उनके विरुद्ध गैर-कानूनी गैरहाजिर रहने के दुराचार के लिए जांच आयोजित करने का प्रस्ताव है,

और जब कि, 18-12-1977 का उपर्युक्त जापन उक्त श्री कृष्णा द्वारा 22-12-1977 को प्राप्त कर लिया गया था किन्तु वे उक्त जापन के जवाब में कोई प्रतिनिधित्व दाखिल करने में असफल रहे,

और जब कि, आरोपों की जांच के लिए जांच अधिकारी को नियुक्त करने वाले दिनांक 30-1-1978 के आदेश की एक प्रति जो उक्त श्री कृष्णा को भेजी गई थी उनके द्वारा 1-2-1978 को प्राप्त कर ली गई,

और जब कि जांच अधिकारी द्वारा उक्त श्री कृष्णा को 10-6-1978 व 14-11-1978 को भेजी गई नोटिसें जिसमें उन्हें जांच के लिए उपस्थित होने को कहा गया था वे डाक विभाग द्वारा टिप्पणियों क्रमशः 'चले गए' व 'बिना सूचना के चले गए' के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

और जब कि उक्त श्री कृष्णा निरन्तर गैर हाजिर रहे तथा ना ई स को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री कृष्णा गैर कानूनी ढंग से गैरहाजिर रहने व अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने में अपराधी हैं।

और जब कि अपने बारे में ना ई स को बिना कुछ बताए सेवा का त्याग करने के कारण निम्न हस्ताक्षर कर्ता इससे सन्तुष्ट हैं कि ना ई स के स्थायी आदेशों में विनिर्दिष्ट तथा/या ए० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इसीलिए निम्नहस्ताक्षरकर्ता ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के नियम 19 () में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री कृष्णा को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

पी० उम्मीकृष्णन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद-500762, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

आदेश

सं० ना ई स/प्रशा-5/20—जब कि श्री वी० श्याम प्रसाद कारीगर 'सी', एम० ई० एस०, के रूप में कार्य करते हुए उन्हें मंजूर 22-1-1978 से 7-2-1978 तक की छुट्टी समाप्त होते ही ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे तथा बिना पूर्व अनुमति के निरन्तर गैर हाजिर हैं,

2. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद ने दिनांक 1-3-78 का अपना त्यागपत्र भेजा जो ना ई स में 22-3-1978 को प्राप्त हुआ जिसमें, नियुक्ति की शर्तों के मुताबिक आवश्यक तीन महीने की नोटिस नहीं दी गई थी,

3. और जब कि त्यागपत्र मंजूर न होने पर भी उक्त श्री श्याम प्रसाद ड्यूटी पर नहीं लौटे,

4. और जब कि ना ई स जापन सं० प्रशा-4/पी-41/एम० ई० एस०/627 दिनांक 30-3-1978 के द्वारा उक्त श्री श्याम प्रसाद को यह बताया गया कि उन्हें तीन महीने की नोटिस या उसके बदले में तीन महीने का वेतन देना होगा, तथा यह कि उनका

त्यागपत्र तक तक मंजूर नहीं किया जाएगा तब तक कि वे उनके नाम पर बकाया विभिन्न रकमों को सरकार के पास जमा नहीं कर देते हैं। यह जापन जो उनके मिकन्दराबाद के अन्तिम ज्ञात पते पर भेजा गया था डाक विभाग द्वारा आत्मासी 'चले गए' की टिप्पणी के साथ वापिस लौटा दिया गया,

5. और जब कि उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित 30-3-1978 का जापन जो उक्त श्री श्याम प्रसाद के डोवालेश्वरम के अन्तिम ज्ञात पते पर फिर से भेजा गया था वो भी डाक विभाग की "टिप्पणी इस पते वाला डोवालेश्वरम में नहीं रहता है" के साथ वापिस लौटा दिया गया,

6. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद ना ई स को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

7. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद छुट्टी समाप्त होने पर ड्यूटी पर पुनः न लौटने तथा सेवा का अपनी मर्जी से त्याग करने के अपराधी हैं, जब कि उनका त्यागपत्र मंजूर नहीं किया था,

8. और जब कि अपने बारे में कुछ बताने में असफल रहने व ना ई स को बिना बताए सेवा का त्याग करने के कारण निम्न-हस्ताक्षरकर्ता इससे सन्तुष्ट हैं कि ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 49 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

9. अब इसीलिए, निम्नहस्ताक्षर कर्ता ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 42 व पैरा 48.2 के प्रथम वाक्य तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (ii) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्याम प्रसाद को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

दिनांक जनवरी 1979

सं० ना ई स/प्रशा/20/—जब कि श्री सी० रामकृष्णा, कारीगर, 'सी', एम० ई० एस०, ना० ई० स०, के रूप में कार्य करते हुए 31-1-1978 (साप्ताहिक छुट्टी) सहित 20-1-78 से 30-1-1978 तक उन्हें मंजूर की गई व (नौ) दिन की छुट्टी समाप्त होने पर ड्यूटी पर पुनः लौटने में असमर्थ रहे,

और जब कि, ना० ई० स० जापन सं० ना ई स/प्रशा०-4/एम० ई० एस०/आर०-342/2927 दिनांक 15-11-1978 जिसमें उक्त श्री रामकृष्णा को तुरन्त ड्यूटी पर लौटने का निदेश दिया गया था और जो उनके अन्तिम ज्ञात पते मकान सं० 1098, एस० आर० टी०, मनतनगर, हैदराबाद और साथ ही उनके गृहनगर के पते—मार्फत स्वर्गीय सी० वेंकटप्पा, मरडापल्ली, पूर्वी कोतापेठ, चित्तूर जिला, परपंजीकृत डाक से पावती सहित भेजे गए थे वे डाक विभाग की टिप्पणियों क्रमशः "चले गए" व "मालूम नहीं" के साथ वापिस लौटा दिए गए,

और जब कि, उक्त श्री रामकृष्णा ड्यूटी से निरन्तर गैर हाजिर रहे तथा ना ई स को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि, उक्त श्री रामकृष्णा छुट्टी समाप्त होने पर ड्यूटी पर न लौटने तथा अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने के अपराधी है,

और जब कि, अपने बारे में नाईस को बिना कुछ बताए सेवा का त्याग करने के कारण निम्नहस्ताक्षर कर्ता उससे मन्तुष्ट है कि नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत, उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इसी लिए, निम्नहस्ताक्षर कर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (ii) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री सी० रामकृष्णा को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करते हैं।

दिनांक 9, जनवरी 1979

सं० नाईस/प्रशा-5/20/—जब कि श्री एन० शिवरामन, कारीगर 'सी', एफ. एफ० पी०, बिना अनुमति के 15-2-78 से ड्यूटी से गैरहाज़िर रहे हैं,

और जब कि, जापन सं० प्रशा-4/एफ० एफ०/एस०-25/2032 दिनांक 8 सितम्बर, 1978 के द्वारा उक्त श्री शिवरामन को तुरन्त ड्यूटी पर आने का निदेश दिया गया था,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन के अन्तिम ज्ञात स्थानीय पते मकान सं० 4-7-699 ईसामियां बाजार, हैदराबाद पर दिनांक 8 सितम्बर 1978 के उपर्युक्त जापन की एक प्रति जो पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजी गई थी वो टिप्पणी "इस पते वाला चला गया" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

और जब कि दिनांक 8 सितम्बर 1978 के उपर्युक्त जापन की एक प्रति जो उक्त श्री शिवरामन के गृहनगर के पते—कुम्भधिरायल हाउस, पोन्नाजो, केरल पर पंजीकृत डाक से भेजी गई थी उसकी 23-9-1978 को पावती भेजी गई,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन को उनकी गैरहाज़िरी के विरुद्ध जांच आयोजित करने के प्रस्ताव वाला जापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/1951 दिनांक 26 नवम्बर 1978, जो उनके अन्तिम ज्ञात स्थानीय पते मकान सं० 4-7-699, ईसामियां बाजार, हैदराबाद पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था वो टिप्पणी "चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि दिनांक 26 नवम्बर 1978 के उपर्युक्त जापन की एक प्रति जो उक्त श्री शिवरामन के स्थायी पते—कुम्भधिरायल हाउस, पोन्नाजो, केरल पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजी गई थी वो भी टिप्पणी "मालूम नहीं" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन निरन्तर गैरहाज़िर रहे तथा नाईस को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि अपने बारे में नाईस को बिना कुछ बताए सेवा का त्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे मन्तुष्ट है कि नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

और अब, इसीलिए, निम्नहस्ताक्षर कर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (II) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री एन० शिवरामन को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करते हैं।

एच० सी० कटियार

उप मुख्य कार्यपालक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए० 12034/4/78-ई० ए०—श्री आर० डी० नायर, विमान अधिकारी, बम्बई विमानक्षेत्र, बम्बई ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ह० ल० कोहली

निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ए० 32014/1/76-ई० डब्ल्यू—महानिदेशक नागर विमानन श्री एन० सुब्रह्मण्यम की सहायक विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 1-10-78 से 30-11-78 तक की अवधि के लिए जारी करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 जनवरी, 1979

सं० ए० 32014/1/76-ई० डब्ल्यू—नागर विमानन के महानिदेशक श्री एन० सुब्रह्मण्यम को 1 दिसम्बर, 1978 से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जनवरी, 1979

सं० ए० 32013/15/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर के सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री बी० एस० अहलूवालिया को दिनांक 29-11-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन पालम पर तैनात किया है।

मन्य देव शर्मा

उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० 1/237/78-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री एम० वी० किनि, 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 1/369/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री भगत सिंह को अल्प-कालिक खाली जगह पर 30-7-77 से 15-11-77 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर और 28 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में नियमित आधार पर उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/407/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता के वरिष्ठ कार्यदेशक (फोरमैन) श्री ए० के० साहा को 17 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिकी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/430/78-स्था०—एतद्वारा देहरादून शाखा के अधीक्षक, श्री नारायण सिंह को अल्पकालिक खाली जगह पर 21 जुलाई, 1978 से 26 अगस्त, 1978 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से बिल्कुल तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशा०),
नूते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० 16/300/78-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एस० एस० रावत, कार्यालय अधीक्षक, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, को दिनांक 11 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, उसी कार्यालय में अस्थाई रूप से महर्षि सहायक कुल सचिव नियुक्त करते हैं।

शुद्धयाल मोहन,
कुल सचिव

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 17 अक्तूबर 1978

सं० 35/78—श्री बी० चतुर्वेदी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक एम० ओ० आर० 12 कानपुर द्वितीय खण्ड के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-78 2-446G178

अपराह्न श्री ए० के० खुल्लर को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-7-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 49/78—श्री एन० एन० माथुर, पुण्ड अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने एम० ओ० आर० चार, मोदीनगर के पद का कार्यभार दिनांक 30-10-78 अपराह्न श्री एम० एन० माथुर को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-10-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० 52/78—श्री एम० एन० जेठवानी, पुण्ड सहायक मुख्य लेखाधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर ने सहायक मुख्य लेखाधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-78 अपराह्न को श्री के० के० दुवे, सहायक मुख्य लेखाधिकारी, के० उ० शु० कानपुर को दे दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 55/78—श्री एम० डी० शुक्ला स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) को श्री के० एन० गीतम अधीक्षक वर्ग 'ख' कानपुर को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० 1/79—श्री रामतीर्थ निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35 880-40-1000 द० रो० 40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22-स्था०/78/27386 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/149/78 दिनांक 1-6-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर-1 के पद का कार्यभार दिनांक 16-8-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 3/79—श्री शंकर लाल निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22/स्था०/78/27486 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/149/1978 दिनांक अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' सहारनपुर के पद का कार्यभार दिनांक 12-6-1978 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० 4/79—श्री हरि राज सिंह, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22 स्था०/78/52941 दिनांक 28-11-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/392/78 दिनांक 28-11-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एम० ओ० आर० शिकोहाबाद-1 के पद का कार्यभार दिनांक 20-12-78 (पूर्वान्त) को ग्रहण किया।

कृ० ल० रेखी,
समाहर्ता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 27-ई०/एम०/(80)/77-ई० सी०-2—श्री आई० टी० ममतानी, कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली का दिनांक 4-1-1979 को निधन हो गया।

सु० सू० प्रकाश राव,
प्रकाशन उपनिदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय, महाप्रबन्धक,

कलकत्ता-43, दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० पी०/जी०/14/300 सी०—श्री के०के० दास का पुष्ठीकरण भंडार विभाग में सहायक भण्डार नियंत्रक (श्रेणी II) के रूप में दिनांक 2 अक्टूबर, 1969 से किया जा रहा है।

मोहित्वर सिंह गुजराल,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स सिनटर्ब मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० 12093/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सिनटर्ब मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार

से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स स्टिलवेल सर्जिकल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 4594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स स्टिलवेल सर्जिकल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० सी० गुप्ता,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

मेसर्स क्लेसिम इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 23-5-1978 के आदेश से मेसर्स क्लेसिम इण्डस्ट्रीज—प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आवेक्षित हुआ है।

पी० एस० माथुर,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और जालंधर ओटो स्पेयर्स प्राइवेट लि० के विषय में

जालंधर, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० जी०/स्टे०/560/2642—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जालंधर ओटो स्पेयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेन्स ब्रोस चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० जी०/स्टे०/560/3283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेन्स ब्रोस चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और युरेका एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० जी/स्टे०/560/3671—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युरेका एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शाते न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोलीयम पाकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 1311 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोलीयम पाकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शाते न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० एस० राजू
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1979

आयकर

सं० जुरी-दिल्ली/1/78-79/36742—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125 ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी पहले की अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, कम्पनी सर्किल-16, नई दिल्ली के किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में प्रदान की गई

या सौंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1, ई करेंगे।

आयकर आयुक्त दिल्ली-1, कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 1-ई को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 ए की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 5-1-1979 से लागू होगी।

नई दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० जूडि-दिल्ली/1/78-79/36883—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकतर क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों के या आय या आय के वर्गों या मामलों निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज- 1() नई दिल्ली 1	1. कम्पनी सर्किल 3, 12, 13 तथा 23, न० दि० । 2. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स सर्किल, नई दिल्ली
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-1-ई, नई दिल्ली ।	1. कम्पनी सर्किल-16 तथा 20, नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना 5-1-1979 से लागू होगी।

क० न० बुटानी,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4691—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 311/5 और 336/3 है, तथा जो हुल्लती ग्राम में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊट्टी (डाकमंड सं० 644/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० अम्पू (अन्तरक)
2. श्री एस० बालकृष्णन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 311/5 और 336/3 हुल्लती ग्राम
(डाकमंड सं० 644/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 30-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4716—यतः, भूमे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1बी, राजा अन्नामलै चेट्टियार रोड है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धांधीपुरम, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 706/78) में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधिनियम, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० रामकुमार (अन्तरक)

2. श्रीमती राम मिरजात बेकम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और नमूना-1 बी, राजा अन्नामलै चेट्टियार रोड, कोयम्बटूर।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, लुधियाना

तारीख : 30-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सर्वश्री इण्डियन वैर प्राइक् इण्डस्ट्रीस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रवीन राम अग्रना

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6267—प्रत. मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 3/146, अग्रा साल है, तथा जो मद्रास-6
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टि० नगर,
मद्रास (डाकुमेंट सं० 459/78) में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16)) अधीन, तारीख
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3/146, अग्रा साल, मद्रास-6 (डाकुमेंट
सं० 459/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6267---यतः, श्री० टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/146, अन्ना सालै मद्रास-6 में स्थित है (श्री० इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास में (डाकूमेंट सं० 460/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐति किमी प्रार या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती स्विममन और अदरस (अन्तरक)

2. श्री प्रवीन राम अधिना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3/146, अन्ना सालै, मद्रास-6 (डाकूमेंट सं० 460/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4683—यन, मुले, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 226, 227 और 228 है, तथा जो कोमारापालयम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 515/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण प हुई किंवा आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आर० शकुन्तला श्रमाल (अन्तरक)

2. श्रीमती बी० सीतालक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—जी० एस० सं० 226, 227 और 228, कोमारापालयम ग्राम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 515/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4678—यन०, मुं०, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 28/27, ओत्तचखर स्ट्रीट सं० 1 में है,
 तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1003/78) में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3 | 446GI/78

1. श्री के० रायप्प येट्टीयार (अन्तरक)
2. श्रीमती आर० नारायणी अम्माल (अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रारंभ के संबंध में कोई भी धांधला:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोस्ता नरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—28/27, ओत्तचखर स्ट्रीट, सं० 1,
 कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1003/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-1-1979
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4678—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 28/27, ओस्तचखर स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1002/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० कन्दस्वामी (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० नागयनी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—28/27, ओस्तचखर स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1002/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-1-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4681—यत, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 226, 227 और 228 है, जो कोमारपालयम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 514/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० टी० राधाकृष्णन (अन्तरक)
2. श्री वी० गणेशन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गारीख से 45 दिन के अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण जी० एस० सं० 226, 227 और 228 कोमारपालयम ग्राम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 514/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8218—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 152 डी, और 153, आमाद रोड तिरुवारूर है, तथा जो तिरुवर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपट्टिनम (डाकुमेंट सं० 820/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री पी० एम० पी० तिरुकराज नाडार और पी० एस० पी० टी० नागेस्वरन

(अन्तरक)

2. सर्वश्री के० एम० अबदुल मजीद और जैनामबू गणी

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी शर्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर 153, 152 डी, आमाद रोड, तिरुवारूर
(डाकुमेंट सं० 820/78) ।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निदेश सं० 8207---यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी एस सं० 75/3 चिन्तामनी है, तथा जो तिल्लैनगर, ट्रिची में स्थित है, (और इस से उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 835/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्तर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती अन्तोनी अम्मान

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामेश्वरी नल्लस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर टी० एस० सं० 75/3 चिन्तामनी, तिल्लैनगर
ट्रिची (डाकुमेंट सं० 835/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 454/एन० के० डी०/78-79—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लोहगढ़
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सदृश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रोट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसपाल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्रान मान सिंह
पुत्र शेर सिंह गांव लोहगढ़, तहसील नकोदर
(अन्तरक)

2. श्री माधु सिंह सुचा सिंह पुत्रान संता सिंह पुत्र नरथा
सिंह गांव संगोवाल, तहसील नकोदर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में स्तिबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

लोहगढ़ गांव में 72 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख
नं० 817 दिनांक 14 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० एच० पी० 455/ए० एस० आर/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो काकों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री रमेश दत्त पुत्र परस राम पुत्र जय राम दाम बासी काकों तहसील हुशियारपुर
(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान चन्द पुत्र बाबु सिंह पुत्र नथू राम बासी बसी खवाजा (हुशियारपुर)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकों गांव में 39 कनाल 19 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख सं० 1766 जुलाई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 456/एफ० जेड० के०/78-79—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुरादवाला
दलसिंह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाटिय था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरवंस सिंह पुत्र मदा कौर पुत्र पंजाबकौर गांव
मुरादवाला दल सिंह (फाजिल्का)
(अन्तरक)

2. श्री बचिंदर सिंह पुत्र बरियाम सिंह पुत्र वजीर सिंह
वासी मुरादवाला दल सिंह (फाजिल्का)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुरादवाला दल सिंह गांव में 40 कनाल कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 709 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 457/एन० के० डी०/78-79—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नारंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
P-446GI/78

1. श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी भाग सिंह पुत्र आत्मा सिंह गांव दानेवाल (नकोदर)।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र मल्ल सिंह गांव परजिया खुर्द (नकोदर)।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नारंगपुर गांव में 90 कनाल 11 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 413 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर।

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 458/जी० एच० एस०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीवां आया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरुहर सहाय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह पुत्र जगन नाथ पुत्र फतेह सिंह, गांव जीवां आया, फीरोजपुर

(अन्तरक)

2. श्री राम लुभाया, हरमजन लाल, जसवन्त राए सपुत्र जीवा राम पुत्र सावन राम, गांव, जीवां आया

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीवां आया गांव में कृषि भूमि 60 कनाल 2 मरले जैसा कि विलेख नं० 235 मई 1978, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरुहर सहाय में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 459/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79:—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो राहों में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-करण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरदयाति सिंह पुत्र नत्थू गांव एवं डा० भरता कलां, नवां शहर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मुखदेव सिंह, मलकियत सिंह पुत्र श्री माजर सिंह गांव एवं डाकखाना राहों, नवां शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्मा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 56 कनाल 7 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 911 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 7-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 460/एम० जी० ए०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मन्दिर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरनाम सिंह, गुरवचन सिंह सपुत्र श्रीमति गुरदेव कौर, हरदेव कौर पुत्री चानन सिंह सपुत्र राम सिंह, गांव, मन्दिर, जीरा

(अन्तरक)

2. श्री बूटा सिंह, कुन्दन सिंह पुत्र श्री बुध सिंह गांव मन्दिर, जीरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्दिर गांव में 74 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 583 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 461/बी० टी० आई०/78-79
यतः मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोविन्दपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कृष्णा पुत्री श्री काला सिंह पुत्र माल,
गोविन्दपुरा
(अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरचरण सिंह, मुख्त्यार सिंह सपुत्र श्री बूटा
सिंह पुत्र ईशर सिंह, गोविन्दपुरा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गांव गोविन्दपुरा में 49 कनाल 15 मरले कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 234 मई, 1978, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 462/एम० एन० एस०/78-79
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मट्टी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दायित्विक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है; या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री हकीक सिंह पुत्र ईशर सिंह पुत्र साधु सिंह वासी
बुढ़लाडा

(अन्तरक)

2. श्री राम कृष्ण और राम लाल पुत्रान परमा नन्द पुत्र
फतह चन्द वासी भिखी (मानसा)

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मनी गांव में 125 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 1838 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख: 7-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 463/बी० टी० आई०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

आर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-
शमीर में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्रीमती जंगार कौर पुत्री जय कौर बिधवा सुन्दर
सिंह वामी कोटशमीर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, हरभेता सिंह, भोला सिंह पुत्र
करनैल सिंह पुत्र बख्शो सिंह, गांव कटार सिंह वाला
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कोटशमीर गांव में 46 कनाल 6 मरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 1183 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 464/वी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटशमीर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रसिन्न कौर पुत्री जय कौर वासी कोटशमीर
जिला भटिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, हरमेल सिंह, मोता सिंह, गुरजन्ट
सिंह पुत्रान करनैल सिंह पुत्र बखशी सिंह गांव कटार
सिंहवाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोटशमीर गांव में 46 कनाल 6 सरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 1182 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा
में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 465/पी० एच० जी०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
प्रमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-446GI/78

1. श्री रघुपान सिंह, स्वर्ण सिंह, अवतार सिंह पुत्रान
रघबीर सिंह गांव नहर तहसील फगवाड़ा
(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र मोना सिंह वासी गुरु तेगबहादुर
नगर फगवाड़ा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिनके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रमपुर गांव में 61 कनाल 11 सरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 223 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 466/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उरपर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
अध्याय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश कुमार पुत्र हंस राज और चन्द्र कान्ता विधवा
हंस राज गांव उरपर तहसील नवां शहर
(अन्तरक)

2. श्री हिरदे पाल सिंह पुत्र दविन्द्र सिंह गांव गढ़ पधाना
तहसील नवां शहर (जलन्धर)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

उरपर गांव में 83 कनाल 5 मरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 480 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 467/के० पी० आर०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अग्न मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा वह उचा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से रुचि नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री साधु सिंह, जगीर सिंह, चर्ण सिंह, नाजर सिंह
पुत्रान पाल सिंह पुत्र कालु गांव उचा तहसील कपूरथला
(अन्तरक)

2. श्री सलविन्द्र सिंह, बलवंत सिंह पुत्रान मुख्त्यार सिंह
पुत्र हुक्म सिंह गांव उचा (2) बलवीर सिंह लखा सिंह
गुरदेव सिंह पुत्रान भान सिंह गांव वरपोल तहसील
अमृतसर ।

(अन्तरितों)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

उचा गांव में 111 कनाल 17 मरले कृषि भूमि जैसा कि
खिलेख नं० 429 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला
में रुचि रखता है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 468/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा तथा जो भूखे
कलां में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नथाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदित सिंह पुत्र किशन सिंह गांव भुखो कलां
(अन्तरक)

2. श्री जगरूप सिंह, हाकम सिंह, प्रगट सिंह पुत्रान
प्रीतम सिंह गुरचर्ण सिंह, अजैब सिंह, मलकीत सिंह
पुत्रान जगद सिंह पुत्र जवाहर सिंह वासी भुखो कलां ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

भुखो कलां गांव में 60 कनाल 1 मरला कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 125 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 469/जी० आर० एच०/78-79--
यतः, मुझे, पी० एम० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो झंजोवाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवा, हंसा, पुत्रान उत्तरा, पुत्र बाना गांव झंजोवाल तहसील गढ़ शंकर

(अन्तरक)

2. श्री हरि सिंह, किशन सिंह पुत्रान मेहर चन्द, सुरिन्द्र सिंह कमलजीत सिंह पुत्रान प्रीतम सिंह गांव झंजोवाल तहसील गढ़ शंकर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

झंजोवाल गांव में 86 कनाल 15 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 510 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 14 विमम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 470/एफ० जेड० आर०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलबाल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चर्ण दास, लक्ष्मण दास, राम प्रताप चान्द राम
पुत्र किशोरी लाल गांव मुदकी
(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र तेजा सिंह गांव मलबाल तहसील
फिरोजपुर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

मलबाल गांव में 44 कनाल 7½ भरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 440 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 471/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गाहरी बुटर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोदा राम, बाबु राम पुत्रान मुन्शी राम पुत्र
बजीरा मल गांव गहरी बुटर
(अन्तरक)

2. श्री हरगोबिन्द सिंह, महिन्द्र सिंह पुत्रान मंगल सिंह
पुत्र त्रिलोक सिंह गांव गहरी बुटर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिनके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गहरी बुटर गांव में 118 कनाल 11 सरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 837 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 472/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गहरी
बुटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुध राम हंस राज पुत्रान मुन्शी राम पुत्र वजीर मल,
साधी राम पुत्र रिखी राम बासी गहरी बुटर
(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह पुत्रान मंगल सिंह
पुत्र त्रिलोक सिंह गांव गहरी बुटर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गहरी बुटर गांव में 118 कनाल 11 सरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 836 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 473/क० पी० आर०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उच्च में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-446GI/78

1. श्री कृष्ण लाल पुत्र लहरी राम गांव उचा तहसील कपूरथला

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह, कुलदीप सिंह, चरणजीत सिंह पुत्रान श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा ईशर सिंह गांव उचा तहसील कपूरथला

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

उचा गांव में 82 कनाल 4 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 561 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 474/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कल्याण
मुख्या में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नथाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978
को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी हन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पुत्री नन्द कौर गांव कल्याण
मुख्या
(अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पुत्र भाग सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह
गांव कल्याण मल्ल का तहसील नथाना
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कल्याण मुख्या गांव में 77 कनाल 11 मरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 321 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

~~निर्देश सं० ए० पी० 475/पी० एच० जी०/78-79—~~

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मेहरू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सज्जन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह गांव मेहरू तहसील फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री नाज़र सिंह पुत्र वरियाम सिंह गांव मेहरू तहसील फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के सञ्चय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मेहरू गांव में 54 कनाल 14 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 178 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 476/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराया धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत सिंह पुत्र हीरा सिंह गांव राहों तहसील
नवां शहर ।

(अन्तरक)

2. श्री कश्मीर सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव राहों तहसील
नवां शहर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवेदनपत्रों को भरना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई
हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

राहों गांव में 35 कनाल 7 मरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 861 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 477/जी० आर० एन०/78-79--

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामतीर्थ पुत्र बलिया पुत्र किर्पा और दया वन्ती विधवा बेला (बृहमन) गांव रामपुर बिलरों तहसील गढ़ शंकर ।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र सिंह, अजीत सिंह, मुरजीत सिंह पुत्रान बिकर सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव मोराया तहसील फिल्लौर +

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रामपुर गांव में 192 कनाल 12 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 476 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिडा ।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 478/एन० डब्ल्यू० एस०) 78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उरपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुदेश कुमार पुत्र हंसराज गांव उरपर तहसील नवां शहर

(अन्तरक)

2. श्री गुरजीत सिंह पुत्र दबिन्द्र सिंह, गांव गढ़ पधाना तहसील नवां शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उरपर गांव में 78 कनाल 10 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 713 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 14-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 479/एम० जी० ए०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मल्लां वाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र वीर सिंह पुत्र नन्द सिंह वाम मल्लां वाला तहसील जोरा।

(अन्तरक)

2. श्री टहल सिंह पुत्र अग्नेल सिंह पुत्र मंगल सिंह वामी मल्लां वाला तहसील जोरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मल्लां वाला गांव में 64 कनाल 1 भरला कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 514 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जोरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 480/एच० एस० पी०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवन्डी कनून गोआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरदित्त गन पुत्र कर्म चन्द पुत्र खेबा राम वामी अली महल्ला जलन्धर शहर

(अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह पुत्र उज्जगर सिंह पुत्र जवाला सिंह वामी गांव बोलीना जिला जलन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलवन्डी कनूनगोआ गांव में 61 कनाल 8 मरल कृषि भूमि जमा कि विलेख नं० 589 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 14-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 481/फिरोजपुर 78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-446 GI/78

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, इन्द्र सिंह, बलकार सिंह पुत्रान बहल सिंह गांव मुदकी।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र तेज सिंह गांव मलवाल तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलवाल गांव में 44 कनाल $7\frac{1}{2}$ मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 651 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 482/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सभोजपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री महिन्द्र सिंह, निर्मल सिंह, भजन सिंह, बलवीर
सिंह पुत्रान अमर सिंह वासी रतारापुर।

(अन्तरक)

2. श्री कशमीरा सिंह, हरजिन्दर सिंह, प्रणोतम सिंह पुत्रान
अजीत सिंह गांव सभोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभोजपुर गांव में 38 कनाल 11 मरले कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 516 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां
शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-483/एफ जे के/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बानेवाला में स्थित है (और इस उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मजो पुत्री सन्त सिंह पुत्र भाग सिंह वासी बानेवाला, फाजिल्का

(अन्तरक)

2. श्री बलजिन्दर सिंह पुत्र मुख्त्यार सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी बानेवाला, फाजिल्का

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बानेवाला गांव में 83 कनाल, 18 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 279 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-484/श्री टी आई/78-79—

यतः, भुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भाओ सरियां में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी मोहिन्द्र कौर उर्फ मनन्द्र सिंह पुत्री ध्यान सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह, गांव भाओ सरियां (अन्तरक)

2. श्री गैन्डा सिंह पुत्र पहारा सिंह पुत्र खैता मिह गांव भाओ सरियां, भटिंडा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाओ सरियां गांव में कृषि भूमि 69 कनाल जैसा कि विलेख नं० 1223 और 1234 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, फिरोजपुर

फिरोजपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 485/एफ जेड आर/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नूरपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अलकार सिंह बसन्त कौर पत्नी तारा सिंह पुत्र
जगत सिंह, गांव नूरपुर, फिरोजपुर
(अन्तरक)

2. (1) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र कुलवन्त सिंह पुत्र करतार
सिंह गांव बूटेवाला

(2) शाम सिंह पुत्र राजपन्त सिंह गांव किलियां वाली,
मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूरपुर गांव में 36 कनाल 13 1/2 मरले कृषिभूमि जैसा
कि विलेख नं० 643 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, फिरोजपुर

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, होशियारपुर

होशियारपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० AP 486/एच० एस० पी०/78-79—यतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियार
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधारी लाल पुत्र गोपाल दाम नरकारी कालोनी,
फगवाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह गांव जाजा, तहसील
होशियारपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (यह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि;
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस धार्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी-III, एस० 1/114 मुतेहरी रोड, होशियारपुर
जैसा कि विलेख नं० 335 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
होशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, होशियारपुर

तारीख : 26-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 487/एफ० जेड० आर०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलवाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व श्री चरण दाम, लक्ष्मण दाम, राम प्रताप, चान्द राम मपुत्र श्री किणोरी लाल गांव मुंदकी, तहसील फिरोजपुर (अन्तरक)

2. श्री जागीर सिंह, पुत्र तेजा सिंह गांव मलवाल (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

44 क०, 7½ मरले कृषि भूमि मलवाल गांव में जैसा कि विलेख नं० 439 मई 1978 जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भटिंडा

तारीख : 26-12-1978]

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 488/एन० एस० डब्ल्यू०/79-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रैनस कलां
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निहाल सिंह
वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्रीमती भगवान कौर पुत्री हरनाम
कौर गांव शकुर तहसील फिरोजपुर

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, तोता सिंह, मुखदेव सिंह, अमरजीत
सिंह पुत्र बाबु सिंह और हरनेक सिंह भाई सिंह, जै
सिंह निरभै सिंह पुत्रान करनैल सिंह गांव दिवारवाला
सब तहसील निहाल सिंह वाला

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

रनसां कलां गांव में 24 कनाल 13 मरले जमीन जैसा
कि विलेख नं० 218 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
निहाल सिंह वाला में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 26-12-1978
मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 489/एफ० जेड आर०/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मलवाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—446GI/78

1. सर्वश्री जोगिन्द्र सिंह, इन्द्र सिंह, बलकार सिंह,
सर्वश्री बाहल सिंह पुत्र श्री नन्दा सिंह, गांव मुंदकी
तहसील फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री जागीर सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव
मलवाल, तहसील फिरोजपुर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

47 कनाल 4 मरले कृषि भूमि मलवाल गांव में जैमा कि
विलेख नं० 652 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 26-12-1978

मोहर :

प्ररूप ध्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज/अहा०अ० अर्जन/472.—यतः मुझे, हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाल चन्द पुत्र मानक लाल सुवालका, सूरजपोल, अम्सरा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर लाल पुत्र मोदी लाल तेली, नयापुरा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अम्सरा होटल, उदयपुर की बिल्डिंग में स्थित ग्राउन्ड फ्लोर की एक दुकान जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 863 दिनांक 4 मई, 78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 नवम्बर, 1978।

मोहर :

प्रारूप प्रार्थी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश, सं० राज० सहा० आ० अर्जन/470:—अतः मुझे, हरी, शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाल चन्व पुत्र मानक लाल स्वालका, मूरजपोल, अम्सरा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) देवी लाल पुत्र उदयलाल तेली, तेलीवाड़ा नं० 23 उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अम्सरा होटल, उदयपुर की बिल्डिंग में स्थित दुकान जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 899 दिनांक 8-5-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 8-11-1978
मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एम० --- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/471:—यतः, मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाल चन्द पुत्र श्री मानक लाल सुवालका, सूरजपोल, अप्सरा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री देवी लाल पुत्र उदयलाल एवं श्रीमति भंवरी बाई तेली, तेलीवाड़ा नं० 23, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अप्सरा होटल की बिल्डिंग में स्थित दुकान जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 955 दिनांक 12-5-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक : 8-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज०/महा०/आ० अर्जन:—533:—यतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों, अर्थात्:—

(1) श्री बसन्ती देवी विधवा स्वर्गीय श्री कन्हैया लाल पाटनी, 33 अरमानियन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री नाथूलाय खण्डेलवाल, रास्ता खुरा जगन्नाथ शाह, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, टुक स्टैण्ड स्कीम, आगरा रोड, जयपुर पर स्थित मकान का भाग जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1079 दिनांक 10-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 8 नवम्बर, 1978
मोहर;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/473:—यतः मुझे, हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है और जिसकी सं० जैमा की अनुसूची
में लिखा है तथा जो जयपुर में, स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्रीमती बमस्ती देवी धर्मपति स्वर्गीय श्री कन्हैया लाल
पाटनी 33 अरमानियन स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी पति श्री नाथूलाल खण्डेलवाल,
रास्ता खुरा जगन्नाथ महाह, रामगंज बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वन्वाधरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, ट्रंक स्टेण्ड स्कीम, आगरा रोड़, जयपुर का भाग,
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1080 दिनांक 10-8-78
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख : 18 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० एम० आर०/78/79/96:—यतः मुझे एन०

पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि नं० 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 मिन, 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/12 है तथा जो सबाल कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सबाल कला, (अमृतसर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरांश) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमा घन या अन्य प्राप्तियों का, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थातः—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव सबाल कला जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जलवंत सिंह पुत्र श्री आतमा सिंह, लखविन्दर सिंह, मुखजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, पुत्रान श्री जववंत सिंह, निवासी काला धनुपुर, तहसील, अमृतसर।

(अन्तरिनी)

3. जैसा कि क्रम सं० नं० 2 उपर 7 और कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई आदमी इस जायदाद में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसका बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि, वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल सं० नं० 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 मिन 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/1 जो कि गांव सबाल कला जिला अमृतसर में है रजिस्टर्ड डीड व 264 आफ जून, 1978, रजिस्ट्रींग अथॉरिटी सबाल कला में दर्ज है।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० एस आर०/78-79/95 :—यतः मुझे,
एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि झवाल कलां अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झवाल कलां में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1978

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नीचे उठी दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री उजागर सिंह निवासी गांव
झवाल कलां जिला अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमिष कौर पत्नी श्री जसवंत सिंह निवासी काला
धनुपुर तहसील व जिला अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि क्रम सं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 9 मरले जो कि गांव
झवाल कलां तहसील तरनतारन जिला अमृतसर में स्थित है और
जिसकी रजिस्ट्रड डीड नं० 265 आफ जून, 1978 रजिस्ट्रींग
अथारिटी झवाल कलां जिला अमृतसर में दर्ज है ।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/94—यतः, मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि सं० नं० 115/19, 22 है तथा जो कि गांव झबाल कलां अमृतसर में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर झबाल कलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-446 GI/78

1. श्री अजतार सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी गांव झबाल कलां जिला अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी गांव झबाल कलां जिला अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 और कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल खसरा नं० 115/19, 22 जो कि गांव झबाल कलां में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीउ नं० 364 आफ जून, 78 रजिस्ट्रार अथारटी झबाल कलां में दर्ज है ।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निवेश सं० अमृतसर/78-79/93—यतः, मुझे, एन०
पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 90/2-1 और 107-108/2-1 है
तथा जो कि बाजार सबुनिया, अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रो० डी० एन० गंड पुत्र श्री अमी चन्द गंड 5/408, ग्रेटर
कैलाश, न्यू दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दुलारी सहगल पत्नी श्री रघुनाथ सहगल निवासी
बाजार सबुनिया, अमृतसर ।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 यदि और कोई किरायेदार हो
तो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 90/2-1 और 107/108/2-1, बाजार सबुनिया
अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रार जीड नं० 585 आफ मई, 1978
रजिस्ट्रार अथारटी अमृतसर शहर में स्थित है ।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० अमृतसर/78-79/92—यतः मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 166 है तथा जो कि रेंस कोर्स रोड, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुवर्णन कुमार पुत्र श्री दौलत राम निवासी 166, रेंस कोर्स रोड, शास्त्री नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री कुंदन लाल और श्री चरणजीत पुत्रान श्री दौलत राम, निवासी 166-ए, शास्त्री नगर, रेंस कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 166 जो कि शास्त्री नगर रेंस कोर्स रोड, अमृतसर में है तथा जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 611 आफ मई, 1978, रजिस्ट्रार अथारटी अमृतसर शहर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अमृतसर/78-79/97:—यतः, मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खमरा नं० 2050/178 है, जो 191 ईस्ट मोहन नगर जी० टी० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत—

(1) श्री भुपेन्द्र सिंह, गुरुचरण सिंह पुत्रगण प्रीतम सिंह हुसैनपुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुरुचरण सिंह कोट हरनामदास ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा नं० 2050/178, 191/स्थिति में न जी० टी० रोड पोछे निक रोड ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 570 मई, 1978 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 22-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए०एस०आर०/78-79/98:—यतः मुझे, एन०
पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 2050/- है जो 178/191 जी०
टी० रोड़, के ऊपर पीछे लिंक रोड़, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रचुर
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अन्ति-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलबीर सिंह, गुरुद्वीप सिंह पुत्रगण श्री प्रीतम सिंह
हृसेन पुरा, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह निवासी
40 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) यदि कोई व्यक्ति इन सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खसरा नं० 2050/178/191/ टोटल एरिया 355 गज
सुल्तान पिन्ड गेट जी० टी० रोड़, जालन्धर वाली चुंगी के मामले
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 571 मई 1978 जैसा कि रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एन० पी० साहनी,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 22-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० ए० एम० आर०/78-79/99:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गार्द बाजार, तरनतारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरनतारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1978

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आश की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किमी आर या किसी धन या द्रव्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरपार्जमिह लिया हुआ पुत्र मेजर सिंह हरिन्दर सिंह, निवासी राजा सांसी, तहसील अजानाला, जिला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परवीन कौर धर्मपति हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, टिम्बर मर्चेन्ट, गार्द बाजार, तरनतारन, जिला—अमृतसर।

(अन्तरितो)

(3) जैज कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो :—
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि अन्य कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा जयदाद नं० 12/262-एम० सी० जो गार्द बाजार तरनतारन, जिला अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1046, मई 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता तहसील तरनतारन में है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/100:—यत्तः, मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गार्द बाजार, तरन-तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(1) श्री गुरपाल सिंह गोद लिया पुत्र मैजर हरिन्दर सिंह राजा सांसी, तहसील—अजनाला, जिला—अमृतसर ।
(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, श्रीमति परवीन-कौर पत्नि—हरजिन्दर सिंह, श्रीमती गुरशरण कौर पत्नि मोहन सिंह टिम्बर मर्चेन्ट गार्द बाजार तरनतारन, जिला—अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा नम्बर 2 उपरोक्त में दिया गया है, और यदि कोई किरायेदार हो तो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/6 हिस्सा हम जायदाद नं० 12/262-एम० सी० जो गार्द बाजार, तरनतारन—जिला अमृतसर में स्थित है जैसा रजिस्ट्री नं० 868 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर ।

एम० एल० महाजन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अमृतसर/78-79/101:—यतः, मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गार्द बाजार, तरनतारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन-तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरपाल सिंह गोदी लिया हुआ पुत्र मेजर हरिन्दर सिंह पुत्र रघुबीर सिंह राजा सांसी, तह : अजनाला, जिला—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र मोहन सिंह टिम्बर मर्चेन्ट, गार्द बाजार तरन तारन जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा जायदाद नं० 12/262-एम० सी० गार्द बाजार, तरन तारन, जिला—अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4405 अक्टूबर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता—तरनतारन।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/102—यतः, मुझे, एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 50 कनाल 6 मरले है, जो 174/17/
2-24-25, 1/3/121, 178/1/2-1/1-177/4/2-5-
7/4 में स्थित है (और इससे 'उपाय अनुसूची' में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील-
पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 877/1341 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—44 6GI/78

(1) श्री हरबन्स सिंह पुत्र नन्धा सिंह, गांव : धरियाला,
तह० पट्टी, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जमबीर सिंह पुत्र तारा सिंह, गांव—धरियाला, तह०
पट्टी, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 उपरोक्त में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 कनाल 6 मरले जैसा कि खमरा नं० 174/17/2-24-
25, 173/21, 178/1/2-1/1, 177/4/2-5-7-5 गांव :
धरियाला, तहसील—पट्टी, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 874/134
जून, 1978 का, रजिस्ट्री कर्ता—पट्टी की अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० अमृतसर/78-79/103—यतः, मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 45 कनाल- 10 सरले गांव कुरक विण्ड तह
पट्टी, जिला—अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पट्टी—जिला—अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 1245/1 जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री दर्शन सिंह पुत्र हजारा सिंह जट, गांव भूरा, खोरियाँ,
पट्टी तह० जिला—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीन सिंह पुत्र चरण सिंह, गांव—कुरक विण्ड
तहसील पट्टी, अमृतसर।

(अन्तर्गति)

(3) जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

45 कनाल 10 सरले गांव कुरक विण्ड तहसील—पट्टी, जिला—
अमृतसर 1245/1 जून, 1978 तहसील—पट्टी जिला—अमृतसर,
रजिस्ट्रीकर्ता तह० पट्टी का है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 दिसम्बर 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/104—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 59/20-21, 77/5-6, 15, 16 और 17, 24-25 है, जो 64 कनाल 7 मरले गांव : माढी, मेधा तह० पट्टी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील : पट्टी, जिला—अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 866/772, जून, 1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में करियन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री कुन्दन सिंह, पुत्र श्री उजागर सिंह, निवासी, माढी गोधा, तहसील पट्टी जिला—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री कश्मीर सिंह, हरबन्ध सिंह, पुत्र श्री लखा सिंह, गुरदीप सिंह बलका सिंह, गांव : माढी मेधा, तहसील : पट्टी, जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है, यदि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64 कनाल 7 मरले गांव : पट्टी माढी मेधा तह० : पट्टी, जिला—अमृतसर, जैसा कि 773/866 जून, 1978 का, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता—तहसील पट्टी, जिला—अमृतसर।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-12-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० यम० आर/78-79/105— अतः मुझे एम० एल० महाजन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि, पाकानाक 16 मरले है, जो गांव दलारी, तह० पट्टी, जिला-अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पट्टी, जिला-अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिओं को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दयाल सिंह पुत्र तेजा सिंह गांव : दलारी, तहसील : पट्टी, जिला-अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुरमोज सिंह, गांव-दुलारी, तहसील-पट्टी, जिला-अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई अन्य किरायेदार हो तो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 41 कनाल 16 मरले गांव दलारी, तह० पट्टी, जिला-अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 864/670 जून, 1978 रजिस्ट्री तहसील : पट्टी, जिला-अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 29 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्युIII/1-79/325/5282:—

अतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4426 वार्ड नं० 16, है तथा जो गली नं० 55-56, रंगरपुरा करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दयाचन्द गुप्ता पुत्र श्री राम किशन श्री नन्द किशोर गुप्ता पुत्र श्री राम करन निवासी मकान सं० 4426, वार्ड नं० 16, गली नं० 55-56, रंगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ब्रिमला देवी गोयल, पत्नी श्री राम धारी गोयल व श्रीमती कमला देवी गोयल पत्नी श्री साधू राम गोयल, निवासी 66/2240, नाईवाला करोलबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डाई मंजिला पक्का मकान म्युनिसिपल नं० 4426 वार्ड नं० 16, खसरा नं० 1376, गली नं० 55-56, ब्लॉक नं० एफ० जो 50 वर्ग गज जमीन पर है और रंगरपुरा करोलबाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूव : खसरा नं० 1377 मकान प्रभूव्याल
पश्चिम : खसरा नं० 1375 मकान मंगला राम
उत्तर : गली
दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/1-27/326/5282:-

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5681 वर्ग गज भूमि है तथा जो नांगलोई जाट गांव, किरारी रोड़, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. चौधरी रोहतास, सुपुत्र चौधरी ली राम, निवासी गांव नांगलोई जाट, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० बाबरा गलू मनीफैक्चरिंग कं०, 202, कटरा बरियन दिल्ली (फतेहपुरी), इनके हिस्सेदार श्री जतीन्द्र पाल सिंह बाबा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5681 वर्ग गज है तथा जो कि मुस्तातिल नं० 6 किला नं० 11 तथा मुस्तातिल नं० 7, किला नं० 15 का हिस्सा है, नांगलोई जाट, किरारी रोड़ पर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : श्री भीरू की भूमि
पश्चिम : मै० बाबा गलू मनीफैक्चरिंग कं० की जायदाद
दक्षिण : मै० हिन्दुस्तान जर्नल इन्डस्ट्रीज की जायदाद
उत्तर : विक्रेता की भूमि।

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/1-79/327/5282:-

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि का क्षेत्रफल 1850 वर्ग गज है तथा जो नांगलोई जाट गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता था; और/या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-संग्रह में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित परिणामों अर्थात् :-

1. श्री रोहतास, सुपुत्र श्री लिखो राम, निवासी नांगलोई गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० बाबा गलू मैनिफैक्चरिंग कं० 202, कटरा बरियन, फतेहपुरी, दिल्ली। इनके हिस्सेदार श्री जी० एस० गुलाटी, सुपुत्र भाई गन्डा मल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1850 वर्ग गज है तथा जोकि मुस्तातिल नं० 6, किलानं० 11 तथा मुस्तातिल नं० 7, किलानं० 15 का हिस्सा है, नांगलोई जाट, किरारी रोड़ पर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : श्री भोरं मल की भूमि
पश्चिम : किरारी रोड़
उत्तर : श्री रोहतास की भूमि (विक्रेता)।
दक्षिण : मै० बाबा गलू मैनिफैक्चरिंग कं० की फैक्टरी

डी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/मई-94/3852/78-79/
5306:—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है
और जिसकी सं० 69 है तथा जो नजफगढ़ रोड़ दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
4-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या बिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. म० जीवन इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 69 नजफगढ़ रोड़
दिल्ली। इनके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जीवन लाल
विरमाणी के द्वारा। (अन्तरक)

2. मै० इन्डिया एक्सपोर्ट्स हाउस प्रा० लि० 23 वैस्ट
पटेल नगर नई दिल्ली-8 इनके डायरेक्टर श्री अशोक
मचदेव सुपुत्र श्री खुनी लाल मचदेव के द्वारा।
(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 69 है और क्षेत्रफल 12.41 एकड़ है
इन्डस्ट्रीयल एरिया नजफगढ़ रोड़ दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:

पूर्व : प्लॉट नं० 70
पश्चिम : रोड़
उत्तर : रोड़
दक्षिण : रोड़

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 16-1-1979
मोहर :

अरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 16 जनवरी 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एकसी०/II-मई-56/3822
7879/5306:—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० सी०-22 है तथा जो बंगलो रोड आदर्श नगर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 12-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—446GI/78

1. श्री राय इन्द्र नाथ डासूजा सुपुत्र श्री रघुनाथ दास डासूजा
तथा श्रीमती धान देवी पत्नी श्री आर० डी० डासूजा
निवासी सी०-6/7, माडल टाउन दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री टी० आर० भानमली श्री के० एल० भानसीली
श्री एफ० सी० भानमली रनजीत भानमली श्री एम०
के० भानसली तथा श्री पी० एम० भानमली सभी सुपुत्र
श्री भानवाराज भानमली निवासी ए०-25 सी० सी०
कालीनी दिल्ली-7।

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जारी लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 22 ब्लॉक नं० 'सी' है
और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है बंगलो रोड आदर्श नगर दिल्ली-33
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 24 पर मकान
पश्चिम : रोड़
उत्तर : गली
दक्षिण : रोड़

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 16-1-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० ए सी वयु/23-I-1713 (742)/16-6/77-78—

अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 460 पैकी है तथा जो कालापड रोड़ तथा शईरा रोड़ के बीच राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वोदय केलवाणी समाज राजकोट सार्वजनिक ट्रस्ट के — श्री जयंती नाल गोविन्दजी भाई तथा अन्य राजकोट।

(अन्तरक)

(2) राजकोट नागरीक सहकारी बैंक परीवार को० श्री० रा० सो० लि० क० श्री बसंतभाई ब्रजलाल भाई खोबानी तथा अन्य नागरीक भवन नं० 1 बेबरभाई रोड़ राजकोट-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल एकड़ 3-29 गुंठा है और जिसका सर्वे नं० 460 पैकी है जो कालापड रोड़ तथा शईरा रोड़ के बीच राजकोट में स्थित है तथा इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 312 मई 1978 में दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीख : 21-10-1978।

मोहरः

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० ए०सी० क्र०-33-I-1760(764)/16-6/77-78—

अनः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 123 प्लॉट नं० 249 पैकी है तथा जो बड़वाण रोड़ बेडीपरा राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मांताबेन मवजीभाई बेडीपरा पांझरापोल के पाम टांकी राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंदुलाल कल्याणजीभाई लाटी प्लाट शेरी नं० 5 राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 123 प्लॉट नं० 249 पैकी वाली जिसका क्षेत्रफल 236 वर्ग गज है जो आजी नदी पुल क्रॉसिंग बेडी-परा बड़वाण रोड़ की तरफ राजकोट में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ता० 1-5-1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 1636 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख : 22-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० ए०सी०क्यू० 23-I-1729/(744)/11-1/77-78:—
अतः मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० नं० 16-8400, 8400 तथा 9357
वर्ग मीटर के तीन टुकड़े हैं तथा जो गांव साबलपुर राजकोट
जूनागढ़ टाई वे रोड जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1978।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पेथलाजी नाथा भाई चावड़ा जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री रायमन भाई राजाभाई नूतन सोलवन्ट इन्डस्ट्रीज
प्रा० लि० के० डायरेक्टर गांव-साबलपुर जिला-
जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 16, 8400, 8400 तथा 9357 वर्ग
मीटर के तीन टुकड़ों में जो कि गांव साबलपुर जिला जूनागढ़
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जूनागढ़ अलग रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकृत तीन अलग बिक्री दस्तावेज नं०
732 ता० 22-5-78 नं० 750 ता० 23-5-78 तथा नं० 751
ता० 23-5-78 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1978

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एम०क्यू०-23-I-1701(746)/11-2/77-78:-

अतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, लेख नं० 6/99 कृष्ण कृपा नामक मकान है तथा जो वेशपाल जूनागढ़ रोड केशोद जिला-जूनागढ़ में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केशोद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) 1. श्री परसोत्तम माधवजी जोशी (2) श्री अरवींद-आई जेठामल लाल पटेल, स्टेशन रोड केशोद जि० जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री भनजी प्रेमजी पटेल गेलाना ता० केशोद जि० जूनागढ़ (2) श्री भावा भनजी पटेल गेलाना ता० केशोद जि० जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'श्री कृष्ण कृपा, नाम से प्रख्यात मकान जो 330.26 वर्ग मीटर जमीन पर स्थित है जिसका नं० प्लॉट नं० 5 लेखा नं० 6/99 है और वरावल जूनागढ़ रोड केशोद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केशोद द्वारा रजिस्ट्री किये गये ता० 15-5-1978 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 647 में जिसका पूर्ण विवरण दिया गया है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० ए. सी. क्यू० 23-I-1704 (751)/16-5/77-78:—

अन: मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 168 नं० 8-10/100- है तथा बारी जीवा पृथ्वीराज पारा प्लॉट मोखी जिला : राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोखी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

(1) श्री रक्षमणी बेन जयंतिलाल भोजानी खोजा खाना शेरी मोखी जिला : राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मैं मोखी टाईम इवन्डस्ट्रीज अपने भागीदारों द्वारा :

(1) खोड़ीदाम करारामाई (2) महादेव खोड़ीदास

(3) चतुरीभाई खोड़ीदास (4) भगवानजी खोड़ी-

दाम शबनी प्लॉट स्ट्रीट नं० 12 मोखी जिला :

राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सोडाउन की इमारत जो 4009 वर्ग फुट जमीन पर स्थित है जो प्लॉट नं० 168 नं० 8-10/100-I बरीजीवा पृथ्वीराज पारा प्लॉट मोखी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोखी द्वारा 1-5-1978 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1695 में प्रदर्शित है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1978 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० एसीक्यू० 23-I-1833 (753)/1-1/78-79—

अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० फायनल प्लॉट नं० 744, 745 सब प्लॉट नं० 2 ए है तथा जो टी० पी० एम०-3 ऐलीमन्नीज आवावाड़ी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मंजुबेन जेकीशनदास पटेल नेताजी सुभाष रोड ऐलीमन्नीज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) निमीशा आंघार्टमेंट्स को० ओ० हाड सींग सोसायटी श्री राजेन्द्र कुमार बलदेवदास गज्जर के मारफत बं० नं० 9 शांती शीखर मोमायटी मणीनगर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 847 वर्ग गज है तथा नं० फायनल प्लॉट नं० 744 तथा 745 के सब प्लॉट नं० 2 है जो टी० पी० एम०-3, ऐलीमन्नीज, आवावाड़ी अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ता० 18-5-1978 को रजिस्ट्री दिये गये बिक्री दस्तावेज नं० 4886 में दिया गया है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

मं० ए सी ब्यू-23-1-1712(754)/16-6/77-78—

अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग दीपक नाम से प्रखान प्लॉट नं० 36 है तथा जो 4-5 रामकृष्ण नगर राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एकमणीबेन रतीना-भाई पारेख शेरी नं० 4-5 रामकृष्ण नगर राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ताक्षमी सवाईनालभाई पारेख दीपक 4-5 रामकृष्णनगर राजकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'दीपक' नाम से प्रख्यात दो मंजील का मकान जो 233 बर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा है तथा जो शेरी नं० 4-5 रामकृष्णनगर राजकोट में स्थित है और जिसका पूर्ण वर्णन ता० 26-5-78 को रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 2114 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 21-11-78

मोहर :

प्रारूप धार्डि० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० एस सी क्य०/ 23-I-1699 (755)/11-I/77-78:--

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० 363 है तथा जो गांधीग्राम
कालोनी, शीशुमंगल रोड, जुनागढ़ में स्थिति है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
12-446 GI/78

(1) श्री ठक्कर रणछोड़दास नानजी भाई, 364, सीग-
रेटवाला, बिडिंग, नं० 36, सरदार वल्लभभाई
पटेल रोड, बम्बई-40004।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विनोद कुमार बछराज घोलकीया,
2. श्रीमती रंसाबेन मणीलाल, चोकसी बक्षार,
जुनागढ़।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं। !

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, जो कि 500 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जमीन पर
खड़ा है तथा जिसका प्लॉट नं० 363 है जो गांधीग्राम
कोलोनी शीशुमंगल रोड, जुनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण
वर्णन ता० 24-5-1978 को रजिस्ट्री किये गये जो की दस्ता-
वेज नं० 761 में दिया गया

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद.

तारीख : 21-11-1978.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

सं० ए० सी० न्यु०-23-2/1715 (758)/16-6/77-

78—अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 401/4, पैकी प्लॉट नं० 29 तथा 30, मणी प्रभा नाम से प्रख्यात मकान है। तथा जो मसर्स मत्याजीन इंडस्ट्रीज, मावडी प्लॉट (जमनीवाला प्लॉट) राजकोट, में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बनी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्रीमको इंडस्ट्रीज, पार्टनर श्री चंदुलाल बल्लभदास चुडामया, 13, करणपुरा राजकोट, के मारफत। (अन्तरक)

(2) मैमर्स मत्याजीन इंडस्ट्रीज, पार्टनर श्री मंगललाल रत्नभाई पटेल तथा अन्य के मारफत "मणी प्रभा", मावडी प्लॉट। राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 954 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा है, जिसका सर्वे नं० 401/4, पैकी प्लॉट नं० 29 तथा 30 है, जो मावडी प्लॉट, (जमनीवाला प्लॉट), राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा ता० 2-5-78 को रजिस्ट्रीकृत बीक्री दस्तावेज नं० 1663 में दिया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 27-11-1978.
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4682—यतः, मुद्रा टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० टी० एम० सं० 85 (प्लॉट सं० 85/4) है, तथा जो टेलुगुघुपालयम ग्राम है, तथा जो कोयम्बटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटर (डाकुमेट सं० 479/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० आर० अय्यर,
(2) आर० रामकृष्णन
(3) डाक्टर आर० चैय्यराम
(4) मनर राजेय

(अन्तरक)

2. श्री वी० के० अनन्दन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण/टीरास सं० 85 (प्लॉट सं० 85/4)
टेलुगुघुपालयम ग्राम, कोयम्बटर (कोयम्बटर डाकुमेट सं० 479/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 30-12-78

मोहर :

शैक्षिक वर्ष, 1979 के लिए प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र

और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय,
कलकत्ता/बम्बई में प्रवेश

नौचालन (एक वर्ष) और मरीन इंजीनियरी (चार वर्षीय) पाठ्यक्रम में उक्त संस्थानों में निम्नलिखित केन्द्रों पर बर्तते हर केन्द्र पर अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या होने पर, प्रवेश के लिए एक संयुक्त लिखित अर्हकारी परीक्षा 24 और 25 मई, 1979 को सम्पन्न होगी।

परीक्षा केन्द्र

1. अहमदाबाद
2. बंगलौर
3. भोपाल
4. बम्बई
5. कलकत्ता
6. चंडीगढ़
7. कटक
8. दिल्ली
9. एर्नाकुलम
10. गोहाटी
11. हैदराबाद
12. जयपुर
13. लखनऊ
14. मद्रास
15. नागपुर
16. पटना
17. श्रीनगर
18. पोर्ट ब्लेयर
19. त्रिवेन्द्रम
20. विशाखापत्तनम

परीक्षा के विषय :—(1) अंग्रेजी (एक प्रश्नपत्र), 3 घंटे—100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—100 अंक, (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1-1/2 घंटे—50 अंक, और (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1-1/2 घंटे—50 अंक होंगे। अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन समिति, कलकत्ता/बम्बई के समक्ष डाक्टरी जांच और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। अभ्यर्थियों को यात्रा खर्च स्वयं वहन करना होगा और परीक्षा तथा साक्षात्कार केन्द्रों पर भोजन एवं आवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए बर्तते उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध हों, समस्त स्थान का पन्द्रह प्रतिशत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए और पांच प्रतिशत अनुसूचित जन-जाति के लिए आरक्षित है।

प्रवेश के लिए योग्यता

(ए) अभ्यर्थियों को निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण होना चाहिए :

(क) मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा संचालित, गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पृथक विषयों के रूप में इंटरमिडियेट विज्ञान परीक्षा।

(ख) कोई अन्य समकक्ष पाठ्यक्रम अर्थात् शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान के साथ 10+2।

(ग) जहां 10+1 के पश्चात् 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलता वहां पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के साथ डिग्री पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष।

(घ) आई० आई० टी०/विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित सेकेंडरी परीक्षा (10+2) के बाद 5 वर्षीय इंटरमिडियेट टेक्नोलॉजी/इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा।

नोट :—10+2 का अभिप्राय यह है कि अभ्यर्थी को ए० एस० एल० सी०/एस० एस० सी०/मैट्रिकुलेशन या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् दो वर्षों की अवधि तक अवश्य अध्ययन किया होना चाहिए तथा पाठ्यक्रम पूरा किया होना चाहिए। अन्तिम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) वे अभ्यर्थी-गण जिन्हें उपर्युक्त अनुच्छेद (ए) में कथित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता प्राप्त हो तथा जो विज्ञान में डिग्री परीक्षा में सम्मिलित हुए हों अथवा सम्मिलित होना चाहते हों, वे भी प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

आयु सीमा

वे अभ्यर्थीगण जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता उक्त अनुच्छेद (ए) और (बी) के अनुसार हो, उन्हें प्रवेश वर्ष के पहली सितम्बर को 20 वर्ष की आयुसीमा के अन्दर होना चाहिए अर्थात् 1 सितम्बर 1959 को या उसके बाद पैदा हुआ अवश्य होना चाहिए। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के अभ्यर्थियों की आयु-सीमा एक वर्ष अधिक होगी।

आवेदन-प्रपत्र

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय पाठ्यक्रम के लिए केवल एक ही आवेदन प्रपत्र होगा।

आवेदन प्रपत्र रुपये 1/- के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर नौवहन महानिदेशालय, बम्बई के पक्ष में लिया हो तथा जी० पी० ओ० बम्बई में भुगतान योग्य, भेजने से प्राप्त किये जा सकते हैं।

आवेदन प्रपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण), नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द्र हीराचन्द्र मार्ग, बम्बई-400038 से, एक लिखित आवेदनपत्र के साथ रु० 1/- मूल्य का रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर तथा निजी पता लिख 23 सें० मी० X 10 सें० मी० आकार का, 40 पैसे का टिकट लगा लिफाफा संलग्न करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन प्रपत्र तथा निजी पता लिखा लिफाफा दोनों पर पत्र व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। आवेदन-प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र के लिफाफे पर “राजेंद्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण के लिए आवेदन प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र”—ये शब्द बायें हाथ की ओर कोने पर शीर्ष भाग में लिफाफे पर अंकित होना चाहिए।

विवरण पत्रिका

दोनों पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण तथा शुल्कों, छात्र-वृत्तियों आदि के विवरण सहित विवरणपत्रिका रु० 4/- के पथक रेखांकित पोस्टल आर्डर के भुगतान पर जो कि

नौवहन महानिदेशक के पक्ष में लिया हुआ हो तथा जी० पी० ओ०, बम्बई में भुगतान योग्य हो, प्राप्त की जा सकती है। विवरणपत्रिका की आपूर्ति के लिए पूरा पत्र व्यवहार का पता स्पष्ट अक्षरों में लिख कर एक अलग आवेदनपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द्र हीराचन्द्र मार्ग, बम्बई-400038 के पास भेजना चाहिए। विवरण पत्रिका आपूर्ति के लिए आवेदन पत्र के लिफाफे पर बायें होने पर शीर्ष भाग में “विवरणपत्रिका हेतु निवेदन”—शब्द अंकित होना चाहिए।

अन्तिम तारीख

अविवाहित पुरुष अभ्यर्थियों से विहित प्रपत्र पर सब प्रकार से पूर्ण आवेदनपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण), नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द्र हीराचन्द्र मार्ग, बम्बई-400038 के पास 31 मार्च, 1979 को या उससे पूर्व पहुंच जाना चाहिए। रिक्त आवेदन-प्रपत्र को डाक द्वारा आपूर्ति 24 मार्च, 1979 को बन्द हो जाएगी।

ओ० पी० मल्होत्रा

इंक्विटिव आफिसर

डायरेक्टर जनरल ओडेट शिपिंग

**SUPREME COURT OF INDIA
(ADMN. BRANCH I)**

New Delhi, the 2nd January 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—Shri S. Ganesan, Principal Private Secretary to the Hon'ble Chief Justice of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 30th December, 1978.

The 12th January 1979

No. F. 6/79-SCA(U).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. N. Joshi, Court Master, as officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 11 January, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th December 1978

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-1-1979 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary
for Secretary,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th January 1979

No. O. 11-1032/75-Istt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsnamaj Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 27-11-1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. 11-1103/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. B. Krishna Prasad as GDO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th Dec., 1978, until further orders.

The 12th January 1979

No. O. 11-1092/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ishwar Dayal as GDO; Gd-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th Sept., 1978, until further orders.

No. O. 11-1101/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ganesh Kumar Dewri as a General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th Nov., 1978, until further orders.

The 15th January 1979

No. O. 11-1097/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Haridas Runjaji Patil as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th October 1978, until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th January 1979

No. A-19036/36/78-AD.V.—The Director, CBI and IGP and SPE hereby appoints the following persons as Dy.

Supdts. of Police in CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

- S/Shri
1. S. P. Singh—15-12-1978 (Forenoon)
2. J. S. Waraich—15-12-1978 (Forenoon)
3. H. C. Singh—23-12-1978 (Forenoon).

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 10th January 1979

F. No. P-4/73-Ad. V.—Consequent on the expiry of six months' re-employment period in the C.B.I., Shri P. V. Hingorani relinquished charge of the Office of Additional Director, Central Bureau of Investigation on the afternoon of 31-12-1978.

K. K. PURI
Deputy Director (Admn.)
C.B.I.

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-19, the 29th December 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Madras Shri L. M. Devasahayam relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota Range, w.e.f. the afternoon of 12th Dec., 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Madras, Major R. C. Ramaiah, assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota Range with effect from the forenoon of 22nd Dec., 1978.

NARENDRA PRASAD
Asstt. Inspector General (Pers.)
CISF Hqrs.

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE A.G.C.R.**

New Delhi, the 11th January 1979

No. Admn. I/O.O. 469/5-5/Promotion/78-79/2104.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, with effect from the forenoon of 1st January, 1979 until further orders.

- S. No. & Name
1. Shri R. B. L. Aggarwal.

Sl/- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
GUJARAT**

Ahmedabad-380 001, the January 1979

No. —The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from date shown against each until further orders.

- Sl. No., Name and Date
S/Shri
1. T. A. Subramanian—23-11-1978 (FN).
2. P. I. Chokshi—23-11-1978 (FN)
3. N. J. Mehta—23-11-1978 (FN)
4. M. Ramachandran—23-11-1978 (FN)
5. P. G. Rajamani—23-11-1978 (FN)
6. R. G. Nair—23-11-1978 (FN)
7. H. S. Danak—27-11-1978 (FN)
8. V. N. Trivedi—23-11-1978 (FN).
9. V. M. Shah—23-11-1978 (FN).

K. P. LAKSHMANA RAO
Deputy Accountant General (Admn.)
Office of the Accountant General
Gujarat, Ahmedabad-380 001

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA I

Bombay 400 020, the 28th December 1978

No. Admn. I/Genl/31 Vol. III/CI(1)/11.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against each, until further orders :

1. Shri R. G. Beligiri—21-10-78 (AN)
2. Shri G. B. Sardesai—28-10-78 (FN)
3. Shri P. T. Dhole—1-11-78 (FN)
4. Shri M. M. Kulkarni—1-12-78 (FN)
5. Shri D. R. Jirgale—1-12-78 (FN).

Smt. R. KRISHNAN KUTTY
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL A.P.
Hyderabad, the 1979

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri R. Ranganathan-I a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-1-1979 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. MUKHERJEE
Senior Deputy Accountant General (Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th December 1978

No. 44016(1)/73-AN-II.—The President is pleased, as an interim measure, to appoint *ad hoc* the following Junior Administrative Grade officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000—125/2—2250) of that Service with effect from the dates shown against them, until further orders.

Sl. No., Name and Date of Promotion
S/Shri

1. R. N. Tyagi 20-12-1978 (FN).
2. K. Sampath Kumar 20-12-1978 (FN).
3. B. Swaminathan 20-12-1978 (FN).

R. L. BAKHSHT
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 9th January 1979

No. 1/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Amarendra Kumar Singh as Asstt. Manager (Prob.) with effect from 6-9-1978 (FN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 6th January 1979

FST. I-2(432)/132.—Dr. K. I. Narasimhan, Additional Textile Commissioner in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has retired from service from the afternoon of 31st December 1978 on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA
Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th January 1979

No. A-1/1(1068).—On their reversion to the post of Junior Progress Officer, S/Shri Dev Raj and S. S. Mago, officiating Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi relinquished charge of their posts on the afternoon of 30th December 1978.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 21st December 1978

No. A6/247(298).—Shri G. S. Mukhija permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st October 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

A6/247(345).—Shri M. S. Naik permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st October 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 11th January 1979

No. A-17011/145/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri B. K. Arya, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the same office under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 2nd December 1978 and until further orders.

No. A-17011/146/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri P. N. Phagre, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, N.I. Circle New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the office of DI, Bombay under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 12th December 1978 and until further orders.

No. A-17011/147/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri P. N. Phagre, Examiner of Stores (Engg.) in the office of D.I. Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the same office under this Dtc. General w.e.f. the forenoon of 30th November 1978 and until further orders.

P. D. SETHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPTT. OF STEEL)

IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 26th December 1978

FI-12(89)/75(.).—On attaining the age of superannuation Shri B. B. Biswas, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th November 1978.

The 4th January 1979

Admn. P.F. (421).—On attaining the age of superannuation Shri I. M. Sanval, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December 1978.

S. K. BASU
Dy. Iron and Steel Controller
for Iron and Steel Controller

**SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE**

Dehra Dun, the 9th January 1979

No. C-5455/718-A.—Shri K. V. Krishnamurthy, Officiating Office Superintendent (Sr. Scale), Centre for Survey Training and Map Production, Survey of India, Hyderabad is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th December 1978 (F.N.) *vice* Shri Van Khuma, Establishment and Accounts Officer (on *ad hoc* basis) proceeded on leave for 39 days from 12th December 1978.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th January 1979

No. 10/2/78-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Dipak Kumar Dutt as Assistant Engineer at High Power Transmitter, All India Radio, Chinussurah in a temporary capacity with effect from the 1st November 1978, until further orders.

No. 10/9/78-SIII.—The Directorate General, All India Radio is pleased to appoint Shri Arvind Narayan Dixit to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Calcutta with effect from 13th October 1978 (F/N) until further orders.

HARJIT SINGH
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 8th January 1979

No. 7(181)/58-SI.—Shri U. Krishna Murthy, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of the 30th November 1978 on attaining the age of superannuation.

A. K. BOSE
Dy. Director of Admn.
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi, the 9th January 1979

No. A.38013/1/79-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri K. L. Chandok, Supervisor in this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st December 1978.

R. DEVASAR
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th January 1979

No. A.12025/1/78(HQ)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Saxena, Chemist Homoeopathic Pharmacopeia Laboratory, Ghaziabad, to the post of Deputy Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services in the forenoon of the 20th December 1978 on a temporary basis and until further orders.

No. A.32014/4/78(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Jaswant Ram, Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Stores Officer in the same Hospital, with

effect from the forenoon of the 26th December 1978 on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

Consequent upon his appointment to the post of Stores Officer, Shri Jaswant Ram relinquished charge of the cost of Assistant Administrative Officer at the Safdarjang Hospital with effect from the same date.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION**

Faridabad-121001, the 12th January 1979

No. A.31014/5/78-AI.—Shri B. A. Sarnobat is hereby appointed substantively to the permanent post of Chief Chemist in the Directorate of Marketing Inspection w.e.f. 16th May 1976.

2. Shri Sarnobat's lien in the post of Marketing Officer (Group III) shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Chief Chemist.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 8th January 1979

No. A.19024/5/78-A.III.—The short-term appointment of Shri Chandra Prakash to the post of Chief Chemist has been extended upto 31st March 1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 9th January 1979

No. A.19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st March 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier:—

S/Shri

1. R. S. Singh.
2. B. N. K. Singha.
3. A. N. Rao.
4. R. V. S. Yadav.
5. M. P. Singh.
6. H. N. Rai.
7. D. N. Rao.
8. S. P. Shinde.
9. R. C. Munshi.
10. K. K. Tiwari.
11. S. K. Mallik.
12. S. D. Kathalkar.
13. R. K. Pande.
14. M. J. Mohan Rao.
15. K. K. Sirohi.
16. Smt. Ansuya Sivarajan.
17. V. E. Edwin.
18. S/Shri S. P. Saxena.
19. N. G. Shukla.
20. R. C. Singhal.
21. H. N. Shukla.
22. K. G. Wagh.
23. S. Suryanarayana Murty.
24. V. T. Vairaghar.
25. S. R. Shukla.
26. M. C. Bajaj.
27. N. S. Chelapati Rao.
28. K. Jayanandan.

No. A.19025/75/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri S. T. Raza, officiating as Assistant Marketing Officer on short term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 25th November 1978 (F.N.) until further orders.

No. A.19025/111/78-A.III.—Shri S. A. Shamsi, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad with effect from 29th December 1978

(A.N.) upto 31st March 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing and Inspection

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

The 28th December 1978

No. PPED/3(285)/76-Adm./16560.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. D. Tambe, a permanent Lower Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 27, 1978 to the afternoon of December 30, 1978 *vice* Shri C. R. Valia, Accounts Officer-II proceeded on leave.

The 28th December 1978

No. PPED/3(333)/78-Adm/17170.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, is pleased to appoint Shri C. Krishnan, Ex-Serviceman as Scientific Officer/Engineering-Grade 'SB' (Transport Officer) in this Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 27, 1978 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad- 500 762, the 15th December 1978

ORDERS

Ref. No. NFC/PA. V/20/2081.—WHEREAS, Shri Omar Ansari while employed a Fireman in Nuclear Fuel Complex, remained absent from duty from 20-5-78 unauthorisedly,

AND WHEREAS NFC Memorandum No. NFC/PA.II/O-4/FS/2051 dated 13-9-1978 directing the said Shri Ansari to report for duty sent by Registered Post Acknowledgement due to the last known address of the said Shri Ansari at DAE Housing Colony (Quarter No. C-2/2), Hyderabad, was returned undelivered by the postal authorities with the remark "continuously absent at delivery place",

AND WHEREAS, NFC Memorandum No. NFC/PA. II/O-4/2786 dated 4-11-1978 directed the said Shri Ansari to report for duty immediately sent by Registered Post Acknowledgement Due to the permanent address at H. No. 23-5-89, Syed Ali Chabutra, Shah Ali Banda, Hyderabad, was also returned undelivered by the postal authorities with the remark "left",

AND WHEREAS, the Memorandum dated 4-11-1978, referred to in the preceding paragraph was sent to the last known address of Shri Ansari at DAE Housing Colony by Registered Post Acknowledgement Due on 24-11-1978 and the same was also returned by the postal authorities undelivered with the remark "party continues absent. Hence returned to the sender",

AND WHEREAS, the said Shri Ansari continued to remain absent from duty and failed to inform NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS, the said Shri Ansari has been guilty of absents from duty without permission and voluntarily abandoning the service,

AND WHEREAS, because of his abandoning the service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules 1965,

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders 13-446GI/78

read with DAE order No. 22(1)/68 dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS (CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Omar Ansari from service with immediate effect.

The 6th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20/38.—WHEREAS it was alleged that

Shri D. Krishna, while employed as H/B, MES, is in the habit of remaining absent from duty without prior permission and causing dislocation of work. The said Shri Krishna remained absent from duty on 2 occasions during the months of October and November, 1977 in spite of the imposition of penalty of suspension for 4 days without wages, *vide* order No. NFC/PA. V/20/K-95/2090 dated 28-9-1977.

The said Shri Krishna is remaining absent from duty without prior permission or any intimation with effect from 10-11-77.

AND WHEREAS a memo was issued to the said Shri Krishna by the undersigned on 18-12-1977 intimating the said Shri Krishna that it was proposed to hold an inquiry against him for the misconduct of unauthorised absence, if the article of charge was not admitted,

AND WHEREAS the said memo dated 18-12-1977 was received by the said Shri Krishna on 22-12-1977 but he failed to submit any explanation in response to the above said memo,

AND WHEREAS the copy of order dated 30-1-1978 appointing the Inquiry Officer to inquire into the charges, sent to the said Shri Krishna was received by him on 1-2-1978,

AND WHEREAS the notices sent by the Inquiry Officer on 10-6-78 and 14-11-78 to Shri Krishna, requiring him to appear for the inquiry were returned undelivered by the postal authorities with the remarks 'left' & 'left without instructions' respectively,

AND WHEREAS the said Shri Krishna continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Krishna is guilty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, it is not practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC Standing Orders and/or under rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAF Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS (CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Krishna from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN
Senior Administrative Officer

Hyderabad-500 762, the 18th December 1978

ORDERS

Ref. NFC/PA. V/20/2098.—WHEREAS Shri B. Syam Prasad, while employed as Tradesman 'C', MES, failed to report for duty at the expiry of the leave granted to him from 22-1-1978 to 7-2-1978 and continued to absent from duty without proper authority,

2. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad submitted his resignation dated 1-3-1978 which was received in NFC only on 22-3-1978 without giving three months notice as required under the terms of the appointment,

3. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad has not reported for duty even though his resignation has not been accepted,

4. AND WHEREAS the NFC Memorandum No. PA.IV/P-41/MES/627 dated 30-3-1978 stating that Shri Syam

Prasad is required to give three months notice or wages in lieu thereof, that there were other outstanding dues from his and that his resignation could not be accepted unless he settled his dues to the Government, sent to the said Shri Syam Prasad to the last available address at Secunderabad was received back with the remark of the postal authorities 'Left'.

5. AND WHEREAS the memorandum dated 30-3-1978 referred in the preceding paragraph sent again to the said Shri Syam Prasad addressed to him to the last available home town address at Dowaleswaram, was also received with the remark of the postal authorities 'addressee not residing at Dowaleswaram'.

6. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad failed to keep the NFC informed of his whereabouts.

7. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad is guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service, though his resignation has not been accepted.

8. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 49 of the NFC Standing Order and/or rule 14 of the CCS(CCA) Rules, 1965.

9. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with first sentence of para 48.2 thereunder and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Syam Prasad from service with immediate effect.

The 6th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20.—WHEREAS Shri C. Ramakrishna, T/C, MES, NFC failed to report for duty on expiry of the leave granted to him for 9 days from 20-1-1978 to 30-1-1978, with permission to suffix 31-1-1978 (Weekly off).

AND WHEREAS FNC memo No. NFC/PA. IV/MES/R-342/2927 dated 15-11-1978 directing the said Shri Ramakrishna to join duty immediately, sent by registered post acknowledgement due to the last known local address, viz., H. No. 1098 SFT, Sanathnagar, Hyderabad-18 and also to the home-town address, viz., S/o Late C. Venkatappa, Maradapally, East Kothapet, Chittoor District were returned by the postal authorities with the remarks "Left" and "Not known" respectively.

AND WHEREAS the said Shri Ramakrishna continued to be absent from duty, and failed to inform the NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Ramakrishna has been guilty of not returning to duty on the expiry of leave and voluntarily abandoning service.

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders, and/or Rule 14 of the CCS(CCA) Rules, 1965.

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or Rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri C. Ramakrishna, with immediate effect.

The 9th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20.—WHEREAS Shri N. Sivaraman T/C, FFP remained absent from duty from 15-2-1978 without permission.

AND WHEREAS vide memorandum No. PO. IV/FF/S-25/2032 dated September 8, 1978, the said Shri Sivaraman was directed to report for duty immediately.

AND WHEREAS a copy of the memorandum dated September 8, 1978, referred to above in the preceding para-

graph sent by Registered post with acknowledgement due to the last known local address of Shri Sivaraman, viz., H. No. 4.7.699, Esamia Bazar, Kothji, Hyderabad, was returned undelivered with the remark that the addressee has left.

AND WHEREAS one copy of the said memorandum dated September 8, 1978 sent to the hometown address of Shri Sivaraman viz., Kunnathirayal House, Ponnazhe, Kerala State by registered post with acknowledgement due was acknowledged on 23-9-1978.

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman continued to remain absent from duty even after the receipt of the memorandum dated 8-9-1978.

AND WHEREAS memorandum No. NFC/PA. V/20/1951 dated November 26, 1978, proposing to hold an enquiry against Shri Sivaraman for his unauthorised absence sent by registered post with acknowledgement due to the last known local address viz., H. No. 4.7.699, Esamia Bazar, Kothji, Hyderabad, was returned undelivered with the remark "LEFT".

AND WHEREAS another copy of the said memorandum dated November 26, 1978, sent to the permanent address of Shri Sivaraman, viz., Kunnathirayal House, Ponnazhe, Kerala, by registered post with acknowledgement due has also been returned with the remark "NOT KNOWN".

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman has been guilty of voluntarily abandoning service.

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

AND NOW, THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri N. Sivaraman from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR
Dy. Chief Executive

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th January 1979

No. A. 12034/4/78-EA.—Shri R. D. Nair, Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay relinquished charge on the 31st December, 1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 4th January 1979

No. A. 32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of Shri N. Subramaniam to the post of Assistant Electrical and Mechanical Officer, for a further period from 1-10-1978 to 30-11-1978.

The 6th January 1979

No. A. 32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. Subramaniam to the post of Assistant Electrical and Mechanical Officer with effect from 1st December, 1978 on a regular basis and until further orders.

The 8th January 1979

No. A. 32013/15/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Ahluwalia, Assistant Technical Officer,

Aeronautical Communication Station, Jaipur to the grade of Technical Officer on regular basis w.e.f. 29-11-1978 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Palam.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th January 1979

No. 1/237/78-EST.—Shri M. V. Kini, Perm. Assistant Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service on the afternoon of the 31st August, 1978.

No. 1/369/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 30-7-77 to 15-11-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy on *ad hoc* basis, and at Madras Branch w.e.f. forenoon of the 28th November, 1977 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/407/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha, Senior Foreman, Calcutta Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 17th August, 1978, and until further orders.

No. 1/430/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Superintendent, Dehra Dun as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 21st July, 1978 to 26th August, 1978 (both days inclusive), against a short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

P. K. G. NAYAK
Director (Adm.),
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 11th January 1979

No. 16.300/78-ESTS-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri S. S. Rawat, Office Superintendent, Forest Research Institute & Colleges, as Assistant Registrar in the same office, with effect from the forenoon of 11th January, 1979, on a temporary basis until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 17th October 1978

No. 35/1978.—Shri V. Chaturvedi officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur Division-II handed over the charge of Superintendent M.O.R. XII in the afternoon of 31st July, 1978 to Shri A. K. Khullar, Superintendent and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-7-1978.

The 20th December 1978

No. 49/1978.—Shri N. N. Mathur officiating/confirmed Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R. VI, Modinagar handed over the charge of M.O.R. IV Modinagar in the afternoon of 30-10-1978 to Shri M. N. Mathur and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-10-1978.

The 29th December 1978

No. 52/1978.—Shri S. N. Jethwani, Confirmed Asstt. Chief Accounts Officer, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Asstt. Chief Accounts Officer in the afternoon of 30-11-1978 to Shri K. K. Dubey, Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Kanpur and retired from Govt. Service in the afternoon of 30-11-1978 on attaining the age of superannuation.

No. 55/1978.—Shri M. D. Shukla officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Superintendent, Central Excise Group 'B' Kanpur in the afternoon of 30-9-1978 to Shri K. N. Gautam, Superintendent and retired from government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-9-1978.

The 2nd January 1979

No. 1/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-1978 issued under endt. C. No. II-22-Est/78/27386 dated 1-6-78, in the pay scale of Rs. 650—30—35—810—EB—35—880—40—1100—40—1200/— Shri Ram Tirath took over the charge of Supdt. Central Excise in Kanpur Division-I in the forenoon 16-8-1978.

The 9th January 1979

No. 3/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/1978 dated 1-6-1978 issued under endt. C. No. II-22-Est/78/27386 dated 1-6-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/— Shri Shankar Lal took over the charge of Supdt. (Tech.) I.D.O., Saharanpur in the forenoon 12-6-1978.

No. 4/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/392/78 dated 28-11-1978 issued under endt. C. No. II-22-Est/78/57941 dated 28-11-1978, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200/— Shri Hari Ruj Singh took over the charge of Superintendent, Central Excise 'B' in MOR. I, Shikohabad in the forenoon 20th December, 1978.

K. L. REKHI
Collector

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 10th January 1979

No. 27-E/M(80)/77-EC, II.—Shri J. J. Mamtani, Executive Engineer, C.P.W.D., New Delhi, expired on 4-1-1979.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
For Director-General (Works)

SOUTH EASTERN RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 5th January 1979

No. P/G/14/300C.—Shri K. K. Das, is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 2nd October, 1969 in the Stores Department.

M. S. GUJRAL
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sintered Metal Products Limited

Bombay, the 29th December 1978

No. 12093/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Sintered Metal Products Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Steelwel Surgical Company Private Limited*

Delhi, the 3rd January 1979

No. 4594/180.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Steelwel Surgical Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956,
In the matter of M/s Claycem Industries Pvt. Ltd.*

Delhi, the 8th January 1979

No. Co. Lign/6546/537.—By an order dated the 23-5-1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Claycem Industries Private Limited has been ordered to be wound up.

P. S. MATHUR
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jullundur Auto Spares Private Limited*

Jullundur, the 9th January 1979

No. G/Stat/560/2642/10576.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jullundur Auto Spares Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bans Bros Chit Fund & Financiers Private Limited*

Jullundur, the 11th January 1979

No. G/Stat/560/3283/10643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bans Bros Chit Fund & Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eureka Exports Private Limited*

Jullundur, the 15th January 1979

No. G/Stat/560/3671/10716.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eureka Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Polyam Packages Private Limited*

Hyderabad, the 4th January 1979

No. 1311/TA/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Polyam Packages Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Monalissa Savings & Finance Private Limited
(In Liquidation)*

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Gauhati, the 6th January 1979

No. 1520/C. Lign/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Gauhati dated 6th January, 1978 Passed in C.P. No. 8 of 1975 the Company Monalissa Savings & Finance Private Limited was wound up.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies,

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dilli Collieries (Assam) Limited (In Liquidation)*

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Gauhati, the 6th January 1979

No. 1143/C. Lign./445/77.—Notice is hereby given that by an Order of the High Court of Judicature at Gauhati dated 2nd day of December, 1977 passed in C.P. No. 3 of 1976 the Company Dilli Collieries (Assam) Limited was wound up.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies,
Assam, Arunachal Pradesh, Meghalaya,
Mizoram, Manipur, Nagaland & Tripura,
Shillong.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 5th January 1979

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/I/78-89/36742.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125 A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T., Delhi-I, hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XVI, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 5-1-79.

No. JUR-DLI/I/78-79/36883.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the function of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction

of the JTOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule :—

2. Chartered Accountants' Circle New Delhi.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-F, New Delhi

1. Company Circle-XVI and XX. New Delhi.

SCHEDULE

This notification shall take effect from 5-1-1979.

Range	J.T. Distt./Circle
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-A, New Delhi	1. Company Circles-III, XII, XIII and XXIII, New Delhi.

K. N. BUTANI
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Shri C. Appu S/o Chinnandi
Melkudah, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri S. Balakrishnan S/o C. Siviya Kundah
Cottage, Fernhill, Ootacamund.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th December 1978

Ref. No. 4691. —Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-
MURTHY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.R. S. Nos. 311/5 and 336/3, situated at Hullathy Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
OOTy (Doc. No. 644/78) on May 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in R.S. Nos. 311/5 and 336/3 of Hullathy Village
(Total 3.48 Acres) (Doc. No. 644/78).T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006Date : 30-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 30th December 1978

Ref. No. 4716.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1B, Raja Annamalai Chettiar, situated at Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 706/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Ramkumar, S/o late Dr. Krishnamurthy
St. Mary's Road, Prithvi Avenue,
Madras.

(Transferor)

(2) Smt. M. Mirzath Begam, W/o Sri Shahul Hameed
D. No. 14, 2nd St., Sivananda Nagar Colony,
Coimbatore.

(Transferee)

(3) Shri K. P. Paul, Managing Partner,
Popular Automobiles, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1-B, Raja Annamalai Road,
Coimbatore (Doc. No. 706/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madrass-600 006

Date : 30-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6000 006.

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 6267.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/146, Annamalai, situated at (Mount Road), Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 459/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Indian Wire Product Industries,
No. 104, Nainiappan Naicken St.,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri Pravin M. Aiana, No. 8, Iamech Avenue,
Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3/146, Anna salai (Mount Road), Madras-6. (Doc. No. 459/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 6267.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/146, Annasalai, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 460/78) on May 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14-446GI/78

- (1) (1) Mrs. Stimpsan,
(2) Mrs. O. Wrightman
(3) Allen M. Acphersan,
3/146, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) Shri Pravin M. Aiana,
No. 8, Lamech Avenue, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3/146, Annasalai, Madras-6.
(Doc. No. 460/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10 Jan. 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. R. Shakuntala Ammal, W/o. S. T. Radhakrishna Chettiar, 279, Big Bazar St., Coimbatore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. Seethalakshmi W/o. C. G. Venkatraman 9, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 10th January 1979

Re. No. 4683.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. Nos. 226, 227 and 228, situated at Komarapalayam, Coimbatore

Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 515/78 on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at G.S. Nos. 226, 227 and 228 Komarapalayam Village, Coimbatore. (Doc. No. 515/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

Madrass-600 006.

Date : 10-1-79

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4678.--Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28..27, Othachakkara St., situated at No. 1, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1003..78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri K. Rayappa Chettiar, S/o Kuppanna Chettiar
27, Othachakkara St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shrimati R. Narayani Ammal, W/o. Rajan,
317, Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/27, Othachakkara St., No. 1, Coimbatore.

(Doc. No. 1003/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Kandaswamy S/o Raman Chettiar,
27, Othachakkara St., No. 1,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati R. Narayani Ammal W/o. Rajan,
317, Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4678.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-
MURTHY,

being the competent authority under section 269B of
the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 28/27, Othachakkara St., situated at Coimbatore

(and more fully described in the schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Coimbatore (Doc. No. 1002/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) or section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28/27, Othachakkara St.,
Coimbatore (Doc. No. 1002/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 10-1-79
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4681.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G.S. Nos. 226, 227 & 228, situated at Komarapalayam, Coimbatore Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 514/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri S. T. Radhakrishnan, S/o. Thandayudhapani Chettiar, 279, Big Bazar St., Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri V. Ganesan, S/o. C. G. Venkatramanan, 9, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at G.S. Nos. 226, 227 and 228 Komarapalayam Village, Coimbatore.
(Doc. No. 514/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II.

MADRAS-600 006,

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 8218.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-
MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 153 and 152D, Azad Road, situated at Thiruvavur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Nagapattinam (Doc. No. 820/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely:—

(1) Shri P. S. P. T. Nageswaran S/o P. S. P. Thiagaraja
Nadar, P. S. P. Thiagaraja Nadar S/o. Periyya
Nadar,
152D, Azad Road, Vaiyapuram,
Thiruvavur.

(Transferor)

(2) (1) K. S. Abdul Majeed S/o. K. Shaik Dawood.
(2) Smt. Jainambu Gani W/o K. S. Abdul Majeed
2/65, Middle St., Kudur, Thiruvavur Tk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 153 and 152D, Azad Road, Thiruvavur.
(Doc. No. 820/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Anthoni Annial W/o. Adaikalam Pillai,
B-75, Salai Road, Thillainagar,
Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rameswari Nallaswamy W/o. Nallaswamy,
75/A2, Salai Road, Thillainagar,
Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

MADRAS-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 8207.—Whereas, J. T. V. G. KRISHNA-MURTHY (

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 75/3 Chinthamani, situated at Thillainagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 835/78 on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 75/3, Chinthamani Thillainagar, Trichy (Doc. 835/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

MADRAS-600 006,

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 454/NHP/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Lohgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jaspal Singh, Naunihal Singh ss/o Bhan Singh S/o Sher Singh, V. Lohgarh, Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) S/Sh. Sadhu Singh, Sucha Singh ss/o Santa Singh s/o Natha Singh V. Sangowal, Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72K in village Lohgarh as per sale deed No. 817 dated 14-6-78 registered with the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 455/HSP/78-79.—Whereas I,
P. N. MALIK,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kakon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hoshiarpur on July 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

15—446GI/78

- (1) Shri Romesh Dutt s/o Paras Ram s/o Jai Ram Dass
r/o Kakon, Teh. Hoshiarpur (Transferor)
(2) Shri Gian Chand s/o Babu Singh s/o Nathu Ram
r/o Bassi Khawaju, Hoshiarpur. (Transferee)
(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39K & 19M in village Kakon
as per sale deed No. 1766 dated 6-7-78 registered with the
S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 456/EZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Muradwala Dalsingh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilak on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh d/o Smt. Sada Kaur d/o Punjab Kaur V. Muradwala Dal Singh, Fazilka.
(Transferor)
- (2) Shri Bachitter Singh s/o Waryam Singh s/o Wazir Singh r/o Murad Wala Dal Singh, Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40K in village Murad Wala Dal Singh as per sale deed No. 709 dated 1-6-78 registered with the S.R. Fazilka.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 457/NKD/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Narangpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balwant Kaur w/o Bhag Singh s/o Atma Singh, V. Danewal, Nakodar.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Singh s/o Teja Singh s/o Mall Singh V. Parjian Khurd, Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90K & 11M in village Narangpur as per sale deed No. 413 dated 7-6-78 registered with the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 458/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jiwa Arian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurunarsahai on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Singh s/o Jagan Nath s/o Fateh Singh V. Jiwa Arian, Ferozepur.
(Transferors)
- (2) Shri Ram Lubhaya, Harbhajan Lal Jaswant Rai ss/o Jeewa Ram s/o Sawan Ram V. Jeewan Arian.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60K-2M in village Jeewan Arian as per sale deed No. 235 dated 29-5-78 registered with the S.R. Guruhar Sahain.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 459. NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshehar on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurdial Singh s/o Nathu V.P.O. Bharta Kalan Teh. N/Shehar.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Sukhdev Singh, Malkiat Singh ss/o Nazam Singh r/o V.P.O. Rahon, N/Shehar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56K & 7M in village Rahon as per sale deed No. 911 dated 1-6-78 registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 460/MGA/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mandir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269/D of the said Act to the following person namely :—

(1) Sh. Gurnam Singh, Gurbachan Singh ss/o Smt. Gurdev Kaur, Hardev Kaur d/o Chanan Singh s/o Ram Singh V. Mandir Teh. Zira.

(Transferor)

(2) S/Sh. Buta Singh, Kundan Singh ss/o Budh Singh V. Mandir, Zira.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 74 Kanals in village Mandir as per sale deed No. 583 dated 24-5-78 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 461/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Gobindpura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kishna d/o Kala Singh s/o Mall of Gobindpura.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurcharan Singh, Mukhtiar Singh ss/o Buta Singh s/o Ishar Singh r/o Gobindpura.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49K & 15M in village Gobindpura as per sale deed No. 234 dated 18-5-78 registered with the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 462/MNS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Matti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hakeek Sings s/o Ishar Sings s/o Sandhu Singh r/o Budhalada.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Ram Krishan & Ram Lal s/o Parma Nand s/o Fateh Chand r/o Bhikhi (Mansa).

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 125 Kanals & 8 Marlas in village Matti as per sale deed No. 838 dated 24-5-78 registered with the S.R. Mansa.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 463/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Shamir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—446GI/78

(1) Smt. Jangir Kaur d/o Jai Kaur wd/o Sunder Singh r/o Kot Shamir.

(Transferor)

(2) S/Sh. Harbhajan Singh, Harmail Singh, Mota Singh ss/o Karnail Singh s/o Bakshi Singh, V. Katar Singh Wala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46K & 6M in village Kot Shamir as per sale deed No. 1183 of May '78 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 464/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kotshamir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parsin Kaur d/o Jai Kaur, V. Kotshamir, BTI. (Transferor)
- (2) S/Shri Harbhajan Singh, Harmel Singh, Mota Singh, Surjant Singh ss/o Karnail Singh, Katar Singh Wala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46K & 6M in village Kotshamir as per sale deed No. 1182 of May 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 465/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Prempur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rachpal Singh, Swarn Singh, Avtar Singh ss/o Raghbir Singh V.P.O. Narur, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Sh. Gurdev Singh s/o Mota Singh r/o Guru Teg Bahadur Nagar, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K & 11M in village Prempur as per sale deed No. 223 of May 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP/466/NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per Schedule situated at Urpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nawanshchar on May 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sh. Suresh Kumar s/o Hans Raj & Chander Kanta
wd/o Hans Raj V.P.O. Urpur, Nawanshchar.
(Transferor)

(2) Sh. Hirdepal Singh s/o Davinder Singh V.P.O.
Garh Padhana, Nawanshchar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 83K & 5M in village Urpur
as per sale deed No. 480 of May 1978 registered with the
S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 467/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Uchha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Sh. Sadhu Singh, Jangir Singh, Charan Singh, Nazar Singh ss/o Paul Singh s/o Kalu, V. Uchha, Kapurthala.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Salwinder Singh, Balwant Singh ss/o Mukhtiar Singh s/o Hukam Singh, V. Uchha, Kapurthala, (2) S/Shri Balbir Singh, Lakha Singh, Gurdev Singh ss/o Bhan Singh s/o Surain Singh, V. Warpaul, Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17M as per sale deed No. 429 of May, 1978 registered with the S. R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 468/BT1/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bucho Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nathana on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurdit Singh s/o Kishan Singh, V. Bhuchoo Kalan. (Transferor)
- (2) S/Sh. Jagroop Singh, Hakam Singh, Pargat Singh s/o Pritam Singh s/o Jawahar Singh, Gurcharan Singh Ajaib Singh, Malket Singh etc. V. Bhuchoo Kalan. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60K & 1M in village Bhuchoo Kalan as per sale deed No. 125 of May 78' registered with the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 469/GRM/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per scheduled situated at Jhajowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshanker on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Deva, Hansa ss/o Altra s/o Bana, V. Jhajowal Teh. Garhshanker, (Transferor)
- (2) S/Sh. Hari Singh, Kishan Singh ss/o Mehar Chand Surinder Singh, Kamal Jeet Singh ss/o Pritam Singh, V. Jhajowal Garshanker. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 86K & 15M in village Jhajowal as per sale deed No. 510 of May 78' registered with the S.R. Garhshanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 470/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Mallwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Charan Dass, Lachman Dass, Ram Partap, Chand Ram ss/o Kishori Lal, Vill. Mundki. (Transferor)
- (2) Sh. Surjeet Singh s/o Teja Singh, V. Mallwal, Teh. Ferozepur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 74M in V. Mallwal as per sale deed No. 440 of May '78 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 471/BT1/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situated at Gehri Butter
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
at Bhatinda on May 1978
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reasons to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—446GI/78

(1) Sh. Gonda Ram, Baboo Ram s/o Munshi Ram
s/o Wazira Mal V. Gehri Butter.

(Transferor)

(2) S/Sh. Hargobind Singh, Mohinder Singh s/o Man-
gal Singh s/o Trilok Singh, V. Gehri Butter.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118K & 11M in village Gehri
Butter as per sale deed No. 837 of May 78 registered with
the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 472/BT1/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gehri Buttar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Budh Ram, Hans Raj ss/o Munshi Ram s/o Wazir Mal, Maghi Ram s/o Rikhi Ram s/o Munshi Ram, V. Gehri Buttar, (Transferor)
- (2) S/Sh. Joginder Singh, Mohinder Singh ss/o Mang Singh s/o Trilok Singh, V. Gehri Buttar, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118K & 11M in village Gehri Buttar as per sale deed No 836 of May '78 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 473/KPR/78-79.—Whereas, 1,

P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Uchha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Krishan Lal s/o Lahori Ram, V. Uchha Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Manjeet Singh, Kuldeep Singh, Charanjit Singh ss/o Mohinder Kaur wd/o Ishar Singh, Uchha, Teh. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82K & 4M in village Uchha as per sale deed No. 561 of May 78' registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 474/BII/78-79. -Whereas, I,
P. N. MALIK,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Bihar, Patna
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Kalyan Sukha
situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Nathana on May 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
income or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following namely:—

- (1) Smt. Purnam Kaur d/o Nand Kaur V. Kalyan
Sukha.
(Transferor)
- (2) Sh. Baljeet Singh s/o Bhag Singh s/o Gurdial Singh
V. Kalyan Mallika, Nathana.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property
(Transferee))
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77K & 11M in village Kalyan
Sukha as per sale deed No. 321 of May 78' registered with
the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 475/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Maharu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Sh. Sajjan Singh s/o Gobind Singh r/o Maharu, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Sh. Nazar Singh s/o Waryam Singh r/o V. Maharu Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned known interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 54K & 14M in village Maharu as per sale deed No. 178 of May 78' registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 476/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nawashehar on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagat Singh s/o Hira Singh, V. Rahon, Nawanshehar.
(Transferor)
- (2) Sh. Kashmir Singh s/o Mangal Singh, V. Rahon, Nawashehar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35K & 7M in village Rahon as per sale deed No. 861 of May, 1978 registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 477/BRM/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Garshanker on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Tirath s/o Bala s/o Kirpa & Daya Wati wd/o Bela Brahman, V. Rampur, Garhshanker.
(Transferor)
- (2) S/o Surinder Singh, Ajit Singh, Surjeet Singh s/o Kikkar Singh s/o Swarn Singh, V. Goraya, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 192K & 12M in village Rampur as per sale deed No. 476 of May 78 registered with the S.R. Garhshanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 478/NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per schedule situated at Urpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sudesh Kumar s/o Hans Raj V. Urpur, Nawanshehar.
(Transferor)
- (2) Sh. Gurjit Singh s/o Davinder Singh, V. Garh Padhana Nawanshehar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 78K & 10M in village Urpur as per sale deed No. 713 of May 1978 registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. 479/MGA/78-79,—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Malanwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—446GI/78

- (1) Sh. Kripal Singh s/o Veer Singh s/o Nand Singh
r/o Mallanwala, Zira.

(Transferor)

- (2) Sh. Tehal Singh s/o Arbel Singh s/o Mangal Singh
r/o Mallanwala, Zira.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64K & 1M in village Mallanwala as per sale deed No. 514 of May 78' registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurditta Mal s/o Karam Chand s/o Khewa
Ram r/o Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh s/o Ujjagar Singh s/o Jawala
Singh r/o V. Bolcena, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
interested in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 480/HSP/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.As per schedule situated at Talwandi Kanoon Goian
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hoshiarpur on May 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
pose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K 8M in village Talwandi
Kanoon Goian as per sale deed No. 589 of May 1978 regis-
tered with the S.R. Hoshiarpur.P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BhatindaDate : 14-12-78
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 481/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Malwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Joginder Singh, Inder Singh, Balkar Singh ss/o Bahal Singh, V. Mundki.
(Transferee)
(2) Sh. Surjeet Singh s/o Tej Singh V. Malwal, Ferozepur.
(Transferee)
(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 7½M in V. Malwal as per sale deed No. 651 of May 78' registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 482/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Sabhjoipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Mohinder Singh, Nirmal Singh, Bhajan Singh, Balbir Singh ss/o Amar Singh, V. Ranraipur,
(Transferor)

(2) S/Sh. Kashmir Singh, Harjinder Singh, Parshotam Singh s/o Ajit Singh, v. Sabhjoipur,
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38K & 11M in village Sabhjoipur as per sale deed No. 516 of May 78' registered with the S.R. Nawanshehar,

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 483/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Banawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mejo d/o Sant Singh s/o Bhag Singh r/o Banawala, Fazilka.
(Transferor)
- (2) Sh. Baljinder Singh s/o Mukhtiar Singh s/o Ujagar Singh r/o Banawala, Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63K & 18M in village Banawala as per sale deed No. 279 dated 2-5-78 registered with the S.R. Fazilka.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 6-12-1978
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 484/BTI/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule situated at Baho Sariam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Bhatinda on May 1978
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) :
the following persons namely:—

- (1) Miss Mohinder Kaur alias Maninder Singh d/o
Dhian Singh s/o Gurmukh Singh, V. Baho Sariam.
(Transferor)
- (2) Sh. Gainda Singh s/o Pahara Singh s/o Kheta
Singh, V. Baho Sariam, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69K in village Baho Sariam
as per sale deed Nos. 1223 & 1234 dated 29-5-78 & 30-5-78
registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 6-12-1978

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 485/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Nurpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Balkar Singh, Basant Kaur w/o Tara Singh s/o Jagat Singh, V. Nurpur, Ferozepur.
(Transferee)

(2) Sh. Rajinder Singh s/o Kulwant Singh s/o Kartar Singh, V. Butewala (2) Sham Singh s/o Rajwani Singh V. Killian Wali, Teh. Muktsar.
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36K & 131M in village Nurpur as per sale deed No. 643 dated 23-5-78 registered with the S.R. Ferozepur,

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP 486/HSP/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Hoshiarpur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Girdhari Lal s/o Gopal Das, Nirankari Colony Phagwara,

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Singh s/o Rajinder Singh, V. Jaja Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. B III S.I./114 on Sutehri Road, Hoshiarpur as per sale deed No. 335 of May 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 26-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP 487/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Malwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ferozepur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Charan Das, Lachman Das, Ram Partap, ss/o Kishori Lal, V. Mundki, Ferozepur, (Transferor)
- (2) Sh. Jagir Singh s/o Teja Singh V. Malwal. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 7+M in village Malwal as per sale deed No. 439 of May 78' registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 26-12-78
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP/488/NSW/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
As per schedule situated at Ranas Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nihalsinghwa on May 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Bhag Singh s/o Smt. Bhagwan Kaur d/o Har-
nam Kaur V. Shakur, Teh. Ferozepur.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdev Singh, Tota Singh, Sukhdev Singh,
Amarjit Singh ss/o Babu Singh & Harneek Singh,
Bhai Singh, Jai Singh, Nirbhay Singh ss/o Karnail
Singh, V. Didar Wala, Nihal Singh Wala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24K & 13M in village Ransan
Kalan as per sale deed No. 218 of May 1978 registered with
the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 20-12-1978,
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP/489/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A per Schedule situated at Malwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ferozepur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Joginder Singh, Inder Singh, Balkar Singh ss/o Bahal Singh s/o Nanda Singh, V. Mundki, Ferozepur.
(Transferor)
- (2) Sh. Jagir Singh s/o Teja Singh s/o Mangal Singh V. Malwal, Teh. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47K & 4M in village Malwal as per sale deed No. 652 of May 1978 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 26-12-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Suwalka, Surajpole
Near Apsra Hotel, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shankar Lal S/o Modilal Tell
Nayapura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/472.—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop situated at ground floor of the building known as Apsra Hotel Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar Udaipur vide registration No. 863 dated 4-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.

Seal : .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Sualka,
Apsara Hotel, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Devi Lal son of Shri Udai Lal Teli
Teliwara, No. 23, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/470.—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 8-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated in the building known as Apsara Hotel, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 899 dt. 8-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/471.—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 12 May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Suwalka, Surajpole Near Apsara Hotel, Udaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Devi Lal S/o Udai Lal & Smt. Bhanwari Bai Tell, Teliwara No. 23, Udaipur
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop situated in the building known as Apsara Hotel Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar, Udaipur vide registration No. 955 dated 12-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shrimati Basanti Devi widow of late Shri Kanhaiyalal Patni, 33, Armanian Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nathu Lal Khandelwal, Rasta Khurra Jagannath Shah, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj./IAC(Acq).—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. — situated at Jaipur

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated upon plot No. 2 Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1079 dated 10-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-11-78.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Basanti Devi widow of late Shri Kanhiyalal Patni, 33, Armanion Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpadevi w/o Shri Nathulal Khandelwal Rasta Khurra Jagannath Shah Ramgang Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated upon plot No. 2 Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1080 dated 10-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-11-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79, 96.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land No. 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 Min 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/12 Jhabal Kalan, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—446GI/78

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Ujjagar Singh,
Village Jhabal Kalan Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Shri Jaswant Singh s/o Shri Atma Singh,
Lakhwinder Singh, Sukhjinder Singh, Harpal Singh
Sons of Shri Jaswant Singh,
c/o Kala Ghanapur, Tehsil Amritsar, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 108 Kanals vide No. 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 Min 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/1 situated in village Jhabal Kalan Tehsil Jhabal Kalan Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 264 of June, 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/95.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at V. Jhabal Kalan, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdip Kaur w/o Shri Ujjagar Singh,
R/o Village Jhabal Kalan,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Parsen Kaur w/o Sh. Jaswant Singh,
R/o Kala Ghanapur, Tehsil Amritsar,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10K-9M situated in village Jhabal Kalan Tehsil Taran Taran Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 265 of June 1978 of Registering Authority Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/94.—Whereas, I. N. P. SAHNI, IRS being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land No. 115/19, 22 Village Jhabal Kalan, Teh. Jhabal Kalan Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Avtar Singh s/o Shri Ujjagar Singh,
R/o Village Jhabal Kalan,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Harbans Singh s/o Shri Harnam Singh,
R/o Village Jhabal Kalan,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Kanal vide Khasra No. 115/19, 22 in village Jhabal Kalan tehsil Jhabal Kalan District Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 364 of June, 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/93/.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Shop No. 90/2-1 and 107-108 2-1 Bazar Sabunian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prop. D. N. Gand s/o Shri Amin Chand Gand, S-408, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Dulari Sehgal w/o Shri Raghunath Sehgal, R/o Bazar Sabuniann, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 90/2-1 and 107-108/2-1, Bazar Sabunian Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 585 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/92.- Whereas, I. N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 166 situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sudarshan Kumar s/o Shri Daulat Ram, R/o 166, Race Course Road, Shashtri Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kundan Lal and Shri Charanjit s/o Shri Daulat Ram, R/o 166-A, Shashtri Nagar, Race Course Road, Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 166 Shashtri Nagar, Race Course Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 611 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-12-1978

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd December 1978

Ref. No. ASR 78-79 97. —Whereas, I. N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg. Khasra No. 2050/178, 191 situated at East Mohan Nagar, Main G.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhupinder Singh, Shri Gurcharan Singh, ss. o Shri Pritam Singh
R/o Hussainpura, Gali No. 3,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Gurcharan Singh
Kot Harnam Dass, East Mohan Nagar,
Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Khasra No. 2050/178, 191, situated on main G.T. Road, about 300 feet beyond link road to East Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 570 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 22-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79/98.—Whereas, I. N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property Khasra No. 2050/178, 191 situated at main G.T. Road, about 300' beyond link road East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Balbir Singh, Gurdeep Singh
ss o Shri Parm Singh,
R/o Hussainpura, Gali No. 3,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Harjeet Singh
R/o 40 East Mohan Nagar,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House building total area of 355 sq. yds. situated at Sultanwind, G.T. Road, opposite Jullundur Octroi, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 571 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 22-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/99.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gural Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
R/o Raja Sansi, Teh. Ajnala.
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Parveen Kaur
W/o Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 1046 of May, 1978 of Registering Authority, Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/100.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

21—446GI/78

- (1) Shri Gurpal Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
S/o Shri Raghbir Singh,
R/o Raja Sansi, Teh. Ajnala,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Smt. Parveen Kaur W/o Shri Harjinder Singh,
Smt. Gursharan Kaur W/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 868 of May, 1978 of Registering Authority, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/101.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurpal Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
S/o Shri Raghbir Singh,
R/o Raja Sansi, Teh. Ajnala,
Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 4405 of October 1978 of Registering Authority, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/102.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land No. 174/17-2, 24-25, 173/21, 178/1/2-1/1, 177/4/2-5-7-4 in village Ghariāla Teh. Patti Dist. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh s/o Shri Natha Singh, Village Ghariāla Teh. Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh s/o Sh. Tara Singh, Village Ghariāla Teh. Patti, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any persons interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50-K, 6 M in village Ghariāla Teh. Patti, Distt. Amritsar as mentioned by the Registering Authority Teh. Patti, Distt. Amritsar vide Registered Deed No. 877/1341 of June, 1978.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/103.—Whereas, I M. L. MAHAJAN,
IRS

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land measuring 45-K, 10M in Vill. Ghurak Wind, Teh. Patti, Distt. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Darshan Singh s/o Shri Hazara Singh Jat, Vill. Bhoora Kohria Teh. Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Singh s/o Shri Charan Singh, Village Ghurak Wind, Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferee)

- * (3) As at S. No. 2 above and tenent(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- * (4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 K, 10M in village Ghurak Wind, Teh. Patti : Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Dccd No. 1245/1 of June, 1978 of Registering Authority Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM LT.N.S.— — —

(1) Shri Kundan Singh s/o Ujagar Singh r/o Mari Megha Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/104.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agri. land vide Khasra No. 597 20-21, 77/5, 6, 15, 16, 17, 77/24-25 in village Mari Mehga Teh. Patti Distt. Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kashmir Singh, Harbans Singh sons Lakha Singh, Gurdip Singh s/o Shri Blaka Singh r/o Vill. Mari Migha Teh. Patti, Distt. Amritsar,

(Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64-K, 7 Marlas in village Mari Megha, Teh. Patti Distt. Amritsar vide Khasra No. 59/20, 21, 77/5, 6, 15, 16-17, 77/24-25 as mentioned by the Registering Authority of Tehsil Patti, Distt. Amritsar vide Registered Deed No. 866/773 of June, 1978.

M. L. MAHAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/105.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at village Dalari, Teh. Patti, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Dayal Singh s/o Sh. Tsja Singh r/o Village Dalari, Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri S. Surjit Singh s/o S. Gurmej Singh r/o Village Dalari, Teh. Patti : Distt. Amritsar.

(Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- *(4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 41-K, 16 Marlas in village Dalari in Tehsil Patti, Distt. Amritsar as mentioned by the Registering Authority, Teh. Patti, Distt. Amritsar Vide Deed No. 864/670 of June, 1978.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th January 1979

Ref. No. IAC/AcqIII/1-79/325/5282.—Whereas, I, D. P.
GOYAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. H. No. 4426, Ward No. XVI situated at Gali No. 55-56, Block F, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I the property as aforesaid exceeds the apparent consideration as stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Daya Chand Gupta S/o Sh. Ram Kishan and Shri Nand Kishore Gupta S/o Shri Ram Karan R/o H. No. 4426, Gali No. 55-56, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Bimla Devi Goel W/o Sh. Ramdhari Goel and Smt. Kamla Devi Goel W/o Sadhu Ram Goel R/o 66/2240, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca built house bearing municipal No. 4426, Ward No. XVI, Gali No. 55-56, Khasra No. 1376, area 50 sq. yds. Block 'F', Regharpura, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

East : Khasra No. 1377 property Prabhu Dayal.

West : Khasra No. 1375 property Mangla Ram.

North : Gali.

South : Gali.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 11-1-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Ch. Rohtas S/o Ch. I.o Ram R/o Village Nangloi
Jat, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th January 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/1-79/326/5282.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 5681 sq. yds. land situated at Village Nangloi Jat on Kirari Road, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) M/s Bawa Glue Manufacturing Co., 202, Katra Barian Delhi (Fateh Puri) through its partner Shri Jatinder Pal Singh Bawa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5681 sq. yds, part of Mustatil No. 6, Killa No. 11 and Mustatil No. 7, Killa No. 15, situated in the area of village Nangloi Jat on Kirari Road, Delhi State, Delhi.

North : Land of Vendor.

South : Property of M/s Hindustan General Industries.

East : Land of Shri Bhoru.

West : Property of M/s Bawa Glue Manufacturing Co.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 15-1-1979.

Seal :

FORM LT.N.S.—----

(1) Shri Rohtas S/o Shri Leo Ram
R/o Village Nangloi Jat Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Bawa Glue Manufacturing Co., 202, Katta
Barian, Fateh Puri Delhi through its partner Shri
G. S. Gulati S/o Bhai Ganda Mal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 15th January 1979

Ref. No. IAC/Acq III/1-79/327/5282.—Whereas, I. D. P.
GOYAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 1850 sq. yds. land situated at Village Nangloi Jat, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on 11-7-1978for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reasons to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of
1961) to the following persons, namely :—

22—446 GI/78

Land measuring 1850 sq. yds. vide Mustafil No. 6 Killa
No. 11 and Mustafil No. 7, Killa No. 15 situated in the area
of Village Nangloi Jat Delhi State Delhi and bounded as
under :—

North : Land of Ch. Rohtas (Vendor).

South : Factory of M/s Bawa Glue Manufacturing Co.,

East : Land of Shri Bhoru.

West : Kirari Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 15-1-1979,

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4, 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th January 1979

Ref. No. IAC/Acq II/May-94.3852 73-79/5306.--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 69 situated at Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jiwan Industrial Pvt. Ltd.
69, Najafgarh Road, Delhi through its Managing Director Sh. Jiwan Lal Verman
(Transferor)
- (2) M/s. India Export House Pvt. Ltd.
23, West Patel Nagar, New Delhi through its Director Sh. Ashok Sachdev, s/o Sh. C. L. Sachdev.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot bearing No. 69 measuring 12.41 acres, situated at Najafgarh Road, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 70.
West : Road.
North : Road.
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-1-1979,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rai Inder Nath Dasaj, s/o Sh. Raghunath Dass Dasuja, & Smt. Dhan Devi, w/o Sh. R. D. Dasuja : o C-6/7, Model Town Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. R. Bhansali, K. L. Bhansali, P. C. Bhansali, Ranjeet Bhansali, S. K. Bhansali & P. M. Bhansali, ss/o Sh. Bhinwaraj Bhansali, r/o A-25, C. C. Colony, Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th January 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/May-56/3822 78-79/5306.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-22 situated at Banglo Road, Adarsh Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A free-hold plot of land bearing No. 22, Block 'C' measuring 400 sq. yds. situated at Banglo Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 and bounded as under :—

East : House on Plot No. 24.
West : Road.
North : Gali.
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

No. Acq. 23-I-1713(742)/16-6 77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 460 Paiki situated at in between Kalawad Road & Raiya Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot in May 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jayantilal Govindjibhai & Others of Sarvodaya Kelvani Samaj Rajkot Sarvajanik Trust, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vasantbhai Vrajilalbhai Khokhani & Others of Rajkot Nagrik Sahkari Bank Pariwar Co-op. Housing Society Ltd., Nagrik Bhawan No. 1, Dhebarbhai Road, Rajkot-360 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land adm. 3 Acre- 29 Gunthas bearing S. No. 460 Paiki situated in between Kalawad Road & Raiya Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale deed No. 312/May, 1978 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt : 21-10-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1978

No. Acq.23-I-1760(764)/16-/677-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 123 Plot No. 249 paiki situated at towards Wadhawa Road, Badipara, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shantaben Manjibhai;
Bedipara, Near Panjarapole, Tank, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Chandulal Kalyanjibhai;
Lati Plot, Sheri No. 5, Rajkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 123—Plot No. 249 paiki admeasuring 236 sq. yds. situated at Crossing of Aji River Bridge, Bedipara, towards Wadhawan Road, Rajkot duly registered by registering officer, Rajkot vide sale deed No. 1636/1-5-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22nd December 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1978

No. 23-I-1729(744)/11-1/77-78 - Whereas, I, S. C. PARIKH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16 in three pieces of 8400, 8400 & 9357 sq. mtrs. situated at Village Sabalpur, Highway Rajkot Junagadh Road Junagadh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Junagadh in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pethalji Nathabhai Chavda,
of Junagadh. (Transferor)
- (2) Shri Raimalbhai Rajabhai, Director of Nutan Solvent Industries Pvt. Ltd., Village Sabalpur, Junagadh Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Open land bearing S. No. 16 in three pieces of 8400, 9400, & 9357 sq. mtrs. situated at village Sabalpur, Dist. Junagadh duly registered by Registering Officer, Junagadh vide three separate sale deeds Nos. 732, 750 & 751 dated 22-5-1978, 23-5-1978 and 23-5-1978 respectively and as fully described in the said sale deeds.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income--Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Dt. : 24-10-1978.
Seal

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Farshotam Madhavji Joshi,
(2) Shri Arvindbhai Jethabhai Patel,
Station Road, Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Shri Manji Premji Patel,
at Gellana, Tal. Keshod, Dist. Junagadh.

- (2) Shri Mava Manji Patel,
at Gellana, Tal. Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

No. Acq. 23-I-1701(746)/11-2/77-78.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 Lekh No. 6/99, building known 'Krishna Krupa' situated at Veraval Junagadh Road, Keshod, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Keshod on 15-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Shri Krishna Krupa" bearing Plot No. 5, Lekh No. 6/99 on land adm. 330.26 sq. m. situated at Veraval Junagadh Road, Keshod duly registered by the Registering Officer, Keshod, vide Sale-deed No. 647/15-5-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1978

No. Acq. 23-1-1704(751)/16-5 77-78.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 168—No. 8-10/100-1 situated at Varijipa, Prithviraj Para Plot, Morvi, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Morvi on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ruxmaniben Jayantilal Bhogani,
Khojakhana Sheri, Morvi, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) M's Morvi Time Industries, through partners.

(1) Khodidas Karabhai,

(2) Mahadev Khodidas,

(3) Chaturbhai Khodidas,

(4) Bhagwanji Khodidas—all of
Shakti Plot Street No. 12 Morvi Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown building standing on land 4009 sq. ft. bearing plot No. 168—No. 8-10/100-1, situated at Varijipa, Prithviraj para/Plot Morvi, duly registered by registering officer, Morvi vide sale-deed No. 1695/1-5-78 and as fully described therein.

S. C. PARIKH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1833(753)1-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 744 + 745, Sub-Plot No. 2-A, situated at TPS No. 3 Ellisbridge, Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

23—446Cil:78

- (1) Manjuben Jekishandas Patel,
Netaji Subhas Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Nimisha Apartments Co-op. Housing Society,
through :—
Shri Rajendrakumar Baldevdas Gajjar,
B. No. 9, Shanti Shikhar Society,
Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 847 sq. yds. bearing No. S.P. No. 2-A, of F.P. No. 744 & 745, situated at TPS-3, Ellisbridge, Ambawadi, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4886 dated 18-5-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Ruxmaniben Ratilalbhai Parekh,
Sheri No. 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Kantaxmi Savailalbhai Parekh
'Deepak' 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1712(754)/16-6/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building known as 'Deepak', Plot No. 36 situated at 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ramkrishnanagar, Rajkot, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storced building known as "Deepak" standing on land admeasuring 233 sq. yds. situated at Sheri No. 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2114 dt. 26-5-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt : 21-11-78.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1699(755)/11-1/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 363 situated at Gandhigram Colony Shishumangal Road, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 24-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thakkar Ranchhoddas Nanajibhai,
364, Sigaretwala Building,
No. 36, Sardar Vallabhbhai Patel Road,
Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) (1) Shri Vinodkumar Vachharaj Dholakiya,
(2) Smt. Hansaben Manilal,
Choksy Bazar, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 500 sq. yds. bearing plot No. 363, situated at Gandhigram Colony, Shishumangal Road, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 761 dated 24-5-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 28-12-78.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Amco Industries through partner Shri Chandulal Vallabhdas Chudasma, 13, Karanpara, Rajkot.
(Transferor)
- (2) M/s Satyajit Industries through partner Shri Maganlal Ratnabhai Patel & Others,
"Mani Prabha", Mavdi Plot, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1978

No. Acq. 23-I-1715(758)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 401/4, Paiki Plot No. 29, & 30 bldg. known as "Mani Prabha" M/s Satyajit Industries, Mavdi Plot (Jasaniwala Plot), Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 2-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Building standing on land adm. 934 sq. yd. bearing S. No. 401/1, Paiki Plot No. 29 & 30 situated at Mavdi Plot (Jasaniwala Plot), Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 1663/2-5-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 27-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006 the 30th December 1978

Ref. No. 4682.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 85, situated at (Plot No. 85/4) Telungupalayam Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 479/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) R. R. Ayyar, S/o late C. Y. Ramakrishna Iyer, Shreyas, No. 8, Alagesan Road, S. B. Mission Post, Coimbatore-11.
- (2) R. Ramakrishnan, S/o R. R. Ayyar, Sundaram Clayton, Padi, Madras.
- (3) Dr. R. Jairam, M.B.B.S., S/o R. R. Ayyar, Royapettah Hospital, Madras and
- (4) Minor Rajesh, S/o R. Ramakrishnan, Sundaram Clayton, Padi, Madras.

(Transferor)

- (2) V. K. Anandan, S/o V. K. Kaliswamy Gounder, Landlord, Vellakinar Village, Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 85/4 in R.S. No. 85 of Telungupalayam Village, Coimbatore (Doc. No. 479/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 30-12-1978
Seal :

ADMISSION TO THE TRAINING SHIP RAJENDRA AND THE DIRECTORATE OF MARINE ENGINEERING TRAINING, CALCUTTA/BOMBAY FOR THE ACADEMIC YEAR—1979

A Combined Written Qualifying Examination will be held on 24th & 25th May 1979, for admission to the Navigation (One Year) and Marine Engineering (4 years) course in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre :-

EXAMINATION CENTRES

1. Ahmedabad
2. Bangalore
3. Bhopal
4. Bombay
5. Calcutta
6. Chandigarh
7. Cuttack
8. Delhi
9. Ernakulam
10. Gauhati
11. Hyderabad
12. Jaipur
13. Lucknow
14. Madras
15. Nagpur
16. Patna
17. Srinagar
18. Port Blair
19. Trivandrum
20. Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One Paper) 3 hours—100 marks, (2) Mathematics (One Paper) 3 hours—100 marks, (3) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks, (4) Chemistry (One Paper) 1½ hours—50 marks, and (5) General Knowledge (One Paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the entrance examination, candidates will be called for a medical examination and an Interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and Interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and Five per cent for Scheduled Tribes for admission to T. S. Rajendra and Marine Engineering Training provided suitable candidates are available.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

- (A) Candidate must have passed any one of the following examination :-
- (a) The Intermediate Science Examination conducted by a recognised Board of Education/University with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
 - (b) Any other equivalent course i.e. 10+2 with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects approved by the Ministry of Education, Govt. of India.
 - (c) Where the 3 years Degree Course can be taken up after 10+1 the first year of the Degree course with Mathematics Physics and Chemistry as separate subjects.

- (d) First year examination of a 5 year integrated Technological/Engineering Degree Course after Higher Secondary Examination (10+1) conducted by I.I.Ts./Universities.

NOTE : 10+2 means a candidate must have studied for a period of 2 years and the course completed/passed the final year examination after obtaining S.S.L.C./S.S.C./Matriculation or its equivalent certificate.

- (B) Candidates who have the minimum educational qualification as stated in para (A) above and who have appeared or intend to appear at the examination for a Degree in Science are also eligible to apply for admission.

AGE LIMIT

Candidates who have the minimum educational qualification, as stated in para (A) and (B) above must be within the age limit of 20 years on the 1st September of the year of entry i.e. must have been born on or after 1st September 1959. For the Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates the age limit will be higher by one year.

APPLICATION FORM

There is only one application form for T. S. Rajendra/D.M.E.T. course. Application form can be had on payment of Re. 1/- by a Crossed Indian Postal Order drawn in favour of Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay.

Application forms are available from the Executive Officer (Training), Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on submitting an application in writing enclosing Crossed Indian Postal Order of the value of Re. 1/- and a self-addressed envelope of 23 cms. by 10 cms. with 55 paise postal stamps. Complete postal address in Capital Letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words "REQUEST FOR RAJENDRA/DMET APPLICATION FORM" on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc. is obtainable on payment of Rs. 4/- by separate Crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay. Separate application addressed to Executive Officer (Training) in the Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, should be made for supply of Prospectus with complete postal address in Capital Letters. Cover containing the application for supply of Prospectus should bear the words "REQUEST FOR PROSPECTUS" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form complete in all respects from unmarried male candidates should reach the Executive Officer (Training) Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on or before the 31st March 1979. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application form by post will be closed on 24th March 1979.

O. P. MALHOTRA
Executive Officer
Directorate General of Shipping